संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 107
पृष्ठ 8
रविवार
04 जनवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- नागिन-७ में नजर आएंगी ईशा सिंह

विचार- पत्रकार से अभद्रता और सही जवाब

खेल- वनडे सीरीज के लिए भारतीय...

पवित्र पिपरहवा अवशेषों की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का शुभारंभ-पीएम बोले-

भगवान बुद्ध सबके हैं, सबको जोड़ते हैं

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र पिपरहवा अवशेषों की भव्य अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने कहा, सवा सौ साल के इंतजार के बाद भारत की विरासत लौटी है, भारत की धरोहर लौटी है। आज से भारतीय जनमानस, भगवान बुद्ध के इन पवित्र अवशेषों के दर्शन कर पाएगा, भगवान बुद्ध के आशीर्वाद ले पाएगा। मैं इस शुभ अवसर पर यहां मौजूद सभी अतिथियों का स्वागत और अभिनंदन करता हूं। उन्होंने आगे कहा, 2026 के शुरुआत में ही यह शुभ उत्सव बहुत प्रेरणादायी है और मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि 2026 का ये मेरा पहला सार्वजनिक कार्यक्रम है, जो भगवान बुद्ध की चरणों से शुरू हो रहा है। मेरी कामना है कि भगवान बुद्ध के आशीर्वाद से 2026 दुनिया के लिए शांति, समृद्धि और सद्भाव का नया दौर लेकर आए। जिस स्थान पर यह प्रदर्शनी लगी है वो भी अपने-आप में विशेष है। किला राय पिथौरा का यह स्थान भारत के गौरवशाली इतिहास की यशभूमि है। उन्होंने कहा, भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष को अपने बीच पाकर हम सभी धन्य हैं। इनका भारत से बाहर जाना और लौटकर फिर भारत आना... ये दोनों ही पड़ाव अपने-आप में बहुत बड़ा सबक है। सबक ये है कि गुलामी कोई राजनीतिक और आर्थिक नहीं होती, गुलामी हमारी विरासत को भी तबाह कर देती है। भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष के साथ भी यही हुआ। गुलामी के कालखंड में इन्हें भारत से छीना गया। तब से करीब सवा सौ साल तक ये देश से बाहर ही रहे हैं। इसलिए उन्होंने इन पवित्र अवशेषों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में नीलाम करने का प्रयास किया। भारत के लिए तो भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष... हमारे आराध्य का ही एक अंश है, हमारी सभ्यता का अभिन्न अंग है।

उन्होंने कहा, भगवान बुद्ध का ज्ञान, उनका दिखाया मार्ग... पूरी मानवता का है। यह भाव हमने बीते कुछ महीनों में बार-बार अनुभव किया। बीते कुछ महीनों में भगवान बुद्ध के पावन अवशेष जिस भी देश में गए, वहां आस्था और श्रद्धा का ज्वार उमड़ आया। प्रधानमंत्री ने कहा, भगवान बुद्ध सबके हैं... सबको जोड़ते हैं। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली समझता हूं, क्योंकि भगवान बुद्ध का मेरे जीवन में बहुत ही गहरा स्थान रहा है। मेरा जन्म जिस वडनगर में हुआ, वो बौद्ध शिक्षा का बहुत बड़ा केंद्र था।

अदालत ने कहा- अनावश्यक देरी पर ही दखल देगा कोर्ट

जांच पूरी करने की समयसीमा अपवाद, नियम नहीं

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने जांच प्रक्रिया को लेकर एक अहम टिप्पणी करते हुए कहा है कि जांच पूरी करने के लिए समयसीमा तय करना सामान्य नियम नहीं बल्कि एक अपवाद है। अदालत ने स्पष्ट किया कि जब जांच में अत्यधिक देरी से आरोपी के अधिकारों पर असर पड़ने लगे, तभी न्यायिक हस्तक्षेप जरूरी होता है। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति एन के सिंह की पीठ ने यह टिप्पणी इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक आदेश की समीक्षा करते हुए की। हाईकोर्ट ने यूपी पुलिस को एक मामले में 90 दिनों के भीतर जांच पूरी करने का निर्देश दिया था और साथ ही आरोपियों को किसी भी तरह की दमनात्मक कार्रवाई से संरक्षण दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जांच एजेंसियों पर शुरुआत से ही समयसीमा थोपना कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप के समान होगा। पीठ ने माना कि जांच कई कारकों पर निर्भर करती है और इसमें स्वाभाविक अनिश्चितता होती है। अदालत ने अपने फैसले में कहा समयसीमा रिएक्टिव रूप से तय की जाती है, प्रोफिलैक्टिक रूप से नहीं यानी अदालतें तभी समय तय करती हैं, जब रिकॉर्ड पर स्पष्ट रूप से यह दिखे कि जांच में अनुचित देरी, ठहराव या लापरवाही हो रही है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने यह भी दोहराया कि अनुच्छेद 21 के तहत त्वरित सुनवाई और समय पर जांच हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। यदि एफआईआर दर्ज होने और चार्जशीट दाखिल करने में अत्यधिक और बिना वजह देरी होती है, तो यह व्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा असर डालती है।

क्या खत्म होगी मनरेगा की जॉब गारंटी? खरगे

नया कानून अधिकारों पर सीधा हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को कांग्रेस के एमजीएनआरईजीए बचाओ संग्राम की तीन प्रमुख मांगों को रेखांकित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि यह योजना दान नहीं बल्कि एक कानूनी गारंटी है। खरगे ने कहा कि कांग्रेस केंद्र सरकार से हाल ही में पारित विकसित भारत – रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) अधिनियम को वापस लेने, एमजीएनआरईजीए को अधिकार-आधारित कानून के रूप में बहाल करने और काम के अधिकार और पंचायतों के अधिकार को बहाल करने की मांग करती है। खरगे ने एक पोस्ट में कहा कि एमजीएनआरईजीए दान नहीं है। यह एक कानूनी गारंटी है। करोड़ों सबसे गरीब लोगों को उनके अपने गांवों में काम मिलाय एमजीएनआरईजीए ने भूख और संकटग्रस्त पलायन को कम किया, ग्रामीण मजदूरी बढ़ाई और महिलाओं की आर्थिक गरिमा को मजबूत किया। खरगे ने आगे आरोप लगाया कि वीबी-जी राम जी अधिनियम एमजीएनआरईजीए की अधिकार-आधारित संरचना को नष्ट करने की धमकी देता है, क्योंकि यह गारंटीकृत कार्य को मनमानी से बदल देगा, नियंत्रण को केंद्रीकृत करेगा और ग्राम सभाओं और राज्यों को कमजोर करेगा।

खरगे ने कहा कि वीबी ग्राम जी अधिनियम इसी अधिकार को समाप्त करने के लिए बनाया गया है। कांग्रेस इसका विरोध करती है क्योंकि काम अब गारंटीकृत अधिकार नहीं रहेगा, बल्कि चुनिंदा पंचायतों में केवल एक अनुमति होगी। बजट सीमित कर दिए जाएंगे, इसलिए संकट के समय में भी धन समाप्त होते ही काम भी बंद हो जाएगा। दिल्ली निधि और कार्यों का निर्णय करेगी, जिससे ग्राम सभाएं और पंचायतें अप्रासंगिक हो जाएंगी। 60 दिनों के काम पर रोक से संकट के चरम समय में काम से इनकार करना वैध हो जाएगा। मजदूरी एक संरक्षित अधिकार होने के बजाय अनिश्चित और दमनीय हो जाएगी।

भाजपा ने अजित पवार पर किया पलटवार

भ्रष्टाचार के आरोप लगाने से पहले करें आत्ममंथन

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र की सियासत में एक बार फिर बयानबाजी तेज हो गई है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार द्वारा पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम में भ्रष्टाचार और कर्ज के आरोप लगाए जाने पर भारतीय जनता पार्टी ने कड़ा पलटवार किया है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने कहा कि आरोप लगाने से पहले अजित पवार को आत्ममंथन करना चाहिए। रविंद्र चव्हाण ने शनिवार को कहा कि अगर भाजपा भी आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला शुरू करे, तो इससे अजित पवार के लिए गंभीर मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि पवार यह स्पष्ट करें कि उनका निशाना किस पार्टी पर है- क्या वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली पार्टी की बात कर रहे हैं? चव्हाण ने कहा कि अजित पवार का बयान नगर निगम चुनावों की पृष्ठभूमि में आया है, जिससे इसके राजनीतिक मकसद पर सवाल उठते हैं। गौरतलब है कि पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम 2017 से 2022 तक भाजपा के शासन में रहा, इसके बाद वहां प्रशासक नियुक्त किया गया। अब 15 जनवरी को निगम चुनाव होने जा रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कल्याण-डोंबिवली समेत कई जगहों पर भाजपा उम्मीदवारों के निर्विरोध चुने जाने को गठबंधन की मजबूती से जोड़ा। उन्होंने कहा कि भाजपा और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ आने से विपक्ष लगभग मैदान से बाहर हो गया है। इससे पहले अजित पवार ने नगर निकाय चुनावों में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को टिकट दिए जाने का बचाव किया था। उन्होंने कहा कि जब तक कोई दोषी साबित न हो, उसे अपराधी नहीं कहा जा सकता।

गौरव गोगोई बोले-

असम चुनाव 2026 दलों में नहीं, जनता और राजा के बीच की लड़ाई है

नई दिल्ली, एजेंसी। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने कहा कि 2026 के असम विधानसभा चुनाव अभूतपूर्व होंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुकाबला राजनीतिक दलों के बीच नहीं बल्कि असम की जनता और जिसे उन्होंने स्वयं को राजा समझने वाला कहा, उसके बीच होगा। उन्होंने कहा कि जिस श्राजाश का वे जिक्र कर रहे हैं, उसकी पहचान जनता को सर्वविदित है। एक जनसभा को संबोधित करते हुए गोगोई ने कहा कि विपक्षी दल जनता के बीच व्याप्त आक्रोश और हताशा से अवगत हैं और इसलिए वे उनके साथ एकजुट होकर खड़े हैं। गौरव गोगोई ने आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल द्वारा वित्तीय प्रलोभनों, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और चुनावी कानूनों के कथित उल्लंघन के माध्यम से मतदाताओं को प्रभावित करने के प्रयासों के बावजूद, असम की जनता निर्णायक प्रतिक्रिया देगी। उन्होंने कहा कि असम की जनता एकजुट होकर देश को एक सशक्त संदेश देगी कि धन, बल, अहंकार, धमकियाँ और विभाजनकारी राजनीति जनता की गरिमा को कुचल नहीं सकती। उन्होंने आगे कहा कि असम की भूमि, विरासत, संस्कृति, शांति और सामाजिक सद्भाव की रक्षा की जाएगी।

उन्होंने आगे कहा कि 2026 के चुनावों के परिणाम राष्ट्रीय महत्व के होंगे, जिनका पूरे देश पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा और अन्य राज्यों के लोग असम के सामूहिक रुख से सबक लेंगे। कांग्रेस नेता अमोलपत्ती नाट्य मंदिर सभागार में डिब्रूगढ़ जिला नागरिक सम्मेलन के तत्वावधान में आयोजित एक जनसभा में बोल रहे थे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विपक्षी दलों को लोकतंत्र और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होने के लिए प्रेरित करना था। गोगोई ने सत्ताधारी सरकार पर नागरिकों को लोकतंत्र में समान हितधारक मानने के बजाय उन्हें प्रजा की तरह मानने का आरोप लगाया।

ऑर्गेनिक खेती के बारे में भी किए खुलासे-नितिन गडकरी

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी दिल्ली में अपने सरकारी आवास परिसर में भी छोटे आकार में खेती करते हैं। यहां वे मिर्चियां वगैरह उगाते हैं। साथ ही उनकी पत्नी महाराष्ट्र में ऑर्गेनिक खेती करती हैं। गडकरी ने फिल्म निर्देशक और कोरियोग्राफर फराह खान के वीडियो ब्लॉग में इन सब बातों के बारे में बताया। गडकरी ने बताया कि उनकी पत्नी महाराष्ट्र में जो ऑर्गेनिक खेती करती हैं, उसमें एक किलो के बैंगन और एक किलो के प्याज की पैदावार हुई है। वहां ऑर्गेनिक सब्जियां, अरहर की दाल और चने की दाल भी उगाते हैं। खेती में AI का इस्तेमाल किया जाता है। गूगल-माइक्रोसॉफ्ट की मदद से खेती की सैटैलाइट तस्वीर निकालते हैं। उस हिसाब से सिंचाई करते हैं। उन्होंने बताया कि हम अपने सरकारी बंगले के परिसर में भी खेती करते हैं और मिर्ची वगैरह उगाते हैं। बंगले पर 15-17 मोर कुछ न कुछ खाने के लिए आते हैं। सोनिया गांधी उनकी पड़ोसी हैं। दूसरी तरफ मनमोहन सिंह का बंगला था।

गडकरी ने बताया कि हमारी जिंदगी मध्यमवर्गीय परिवार की सामान्य जिंदगी है। हमारा मानना है कि भगवान ने हमें जो दिया है, वह हमारी हैसियत से ज्यादा है। हम उसी में खुश रहते हैं। जनप्रतिनिधि होने के नाते कभी-कभी नागपुर में पांच हजार लोग भी मिलने के लिए आते हैं। हम आखिरी व्यक्ति से भी मिलते हैं, भले ही आधा मिनट बात हो। उन्होंने कहा, मैंने बेटे से भी कहा है कि जिन कार्यकर्ताओं ने मुझे बड़ा बनाया है, मेरी राजनीतिक विरासत पर उनका अधिकार है। मेरा बाकी सब कुछ उनका है, लेकिन मेरी राजनीतिक विरासत मेरे कार्यकर्ताओं की है। पॉडकास्ट में गडकरी की पत्नी ने बताया कि हाईवे बनाने के लिए एक बार उनके मायके का घर चला गया था।

दिल्ली विधानसभा में अटल- मालवीय को सम्मान, राजनाथ सिंह बोले- यह गर्व का क्षण

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को दिल्ली विधानसभा में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी और पंडित मदन मोहन मालवीय के चित्रों का अनावरण किया और इसे गर्व का क्षण बताया। इस अवसर पर बोलते हुए सिंह ने कहा कि इन महान हस्तियों के चित्रों का अनावरण हमारे लिए गर्व का क्षण है, लेकिन यह हमसे एक अनकहा प्रश्न भी पूछता है- क्या हम उनकी मूल्य प्रणाली को अपनाने और उनकी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं, और क्या हम उसी ईमानदारी, सहानुभूति और दूरदर्शिता के साथ काम कर रहे हैं? इस संबंध में, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने 1 जनवरी को दिल्ली पुलिस सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई थी, जैसा कि एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया गया है। इन चित्रों को विधानसभा भवन में स्थापित करना इन दो राष्ट्रीय हस्तियों के भारत के लोकतंत्र, शिक्षा, संस्कृति और सार्वजनिक जीवन में किए गए अमूल्य योगदान के प्रति गहरी श्रद्धा और एक स्थायी श्रद्धांजलि का प्रतीक है। इस कार्यक्रम में भारत माता नामक एक कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया गया, जो चित्रकला, वास्तुकला और साहित्य के माध्यम से व्यक्त भारतीय राष्ट्रवाद को दर्शाती है। यह प्रकाशन भारत की राष्ट्रीय चेतना की रचनात्मक और कलात्मक अभिव्यक्ति को समर्पित है।

माघ मेले में गंगा के तेज बहाव से बही पुलिया, अक्षयवट मार्ग पर लोक निर्माण विभाग ने कराया था निर्माण

प्रयागराज। पौष पूर्णिमा पर अक्षय वट मार्ग पर बनी पुलिया गंगा के तेज बहाव के कारण बह गई। मौके पर मौजूद मेला प्रशासन और लोक निर्माण विभाग ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए पानी के बहाव को दूसरी तरफ मोड़ा।

पौष पूर्णिमा पर अक्षय वट मार्ग पर बनी पुलिया गंगा के तेज बहाव के कारण बह गई। मौके पर मौजूद मेला प्रशासन और लोक निर्माण विभाग ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए पानी के बहाव को दूसरी तरफ मोड़ा। अब यहां पर पुलिया की जगह पांटून पुल का निर्माण कराया जाएगा। यह पुलिया 15 दिन पहले बनाई गई थी। लोक निर्माण विभाग के जेई धीरेंद्र सिंह यादव का कहना है कि स्थायी टेंट में पानी घुसने से पहले बहाव का रुख दूसरी ओर करके स्थिति को नियंत्रित कर ली गई है। कटान के चलते पानी का बहाव तेज होने के कारण पुलिया बहने लगी थी।

माघ मेले में पहुंचे गोल्डेन बॉय, जीवंत कर रहे लिविंग स्टेच्यू की परंपरा

प्रयागराज। माघ मेले की आध्यात्मिक–सांस्कृतिक छटा के बीच एक ऐसा दृश्य भी उभरता है, जो अनायास ही राहगीरों को ठिठकने पर मजबूर कर देता है। भानु ठाकुर, जिन्हें लोग प्यार से "गोल्डेन बॉय" कहते हैं, इस विराट मेले में अपनी अद्भुत कला के साथ उपस्थित हैं। माघ मेले की आध्यात्मिक–सांस्कृतिक छटा के बीच एक ऐसा दृश्य भी उभरता है, जो अनायास ही राहगीरों को ठिठकने पर मजबूर कर देता है। भानु ठाकुर, जिन्हें लोग प्यार से "गोल्डेन ब्वॉय" कहते हैं, इस विराट मेले में अपनी अद्भुत कला के साथ उपस्थित हैं। मुरादाबाद के रहने वाले भानु ठाकुर मानव–प्रतिमा (लिविंग स्टेच्यू) की परंपरा को जीवंत करते हुए ऐसी साधना में लीन दिखाई देते हैं, मानो समय स्वयं उनके

सामने ठहर गया हो। एक ही मुद्रा में पूरे एक घंटे तक स्थिर खड़े रहना, यह केवल शारीरिक संतुलन नहीं, बल्कि मन, प्राण और संकल्प की अनुशासित साधना का प्रमाण है।

सुनहरी रंगत से सजी उनकी देह, निश्चल दृष्टि और शांति से भरा भाव, ये सब मिलकर दर्शकों के मन में विस्मय और आनंद का संचार करते हैं। मेले की भीड़ में जहां कदम–कदम पर चहल–पहल है, वहीं भानु की स्थिरता एक मौन संवाद रचती है, जो थके चेहरों पर मुस्कान बिखेर देती है और बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक को पल भर के लिए कल्पना–लोक में ले जाती है। माघ मेला की सांस्कृतिक परंपरा में ऐसे कलाकार रंग भरते हैं, जो मनोरंजन के साथ–साथ साधना, अनुशासन और सौंदर्यबोध का संदेश भी देते हैं। भानु ठाकुर की यह प्रस्तुति न सिर्फ देखने योग्य है, बल्कि यह बताती है कि कला जब तपस्या से जुड़ती है, तो वह भीड़ के बीच भी शांति और स्थिरता का दीप जला देती है।

युवक की मौत के बाद हरकत में आई पुलिस, रेडियम लाइट लगाने के निर्देश

प्रयागराज। इरादतगंज फ्लाईओवर पर बृहस्पतिवार शाम हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर पहुंचे परिजन और ग्रामीणों ने हाईवे पर स्ट्रीट लाइट बंद होने और सीसीटीवी कैमरे निष्क्रिय होने का आरोप लगाते हुए चक्काजाम कर दिया था। शुक्रवार को सहायक पुलिस आयुक्त कौंधियारा अब्दुस सलाम खान ने इरादतगंज तिराहे पर स्थलीय निरीक्षण करते हुए सीसीटीवी कैमरे, स्ट्रीट लाइट तथा कटिंग के सामने रेडियम लाइट लगाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय एनएचआई के कर्मचारी और थानाध्यक्ष घूरपुर दिनेश सिंह भी उपस्थित रहे। घूरपुर थाना क्षेत्र के बगबना गांव निवासी 19 वर्षीय दिनेश प्रजापति पुत्र बृजेश प्रजापति को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि इरादतगंज ओवरब्रिज की सड़क पर जगह–जगह गड्ढे हो गए हैं।

इसी कारण एनएचआई ने शहर की ओर जाने वाले मार्ग को बंद कर वनवे कर दिया है, जिससे वाहनों का दबाव बढ़ गया है और आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। लोगों ने आरोप लगाया था कि पुलिस जानबूझ कर सीसीटीवी कैमरे बंद रखवाती है और स्ट्रीट लाइटें नहीं जलने देती।

तौल के बाद भी किसानों को नहीं मिला भुगतान

प्रयागराज। दसवार गांव में स्थित विपणन विभाग के हाटा गांव के नाम से संचालित धान क्रय केंद्र पर अव्यवस्थाएं चरम पर हैं। करीब एक हजार क्विंटल धान की खरीद के बावजूद किसानों को अब तक भुगतान नहीं मिल सका है। तौल कराने के बाद भी पैसा खाते में न पहुंचने से किसानों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

किसानों का आरोप है कि केंद्र पर एक व्यक्ति की मनमानी के चलते खरीद प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। हालात यह हैं कि कई किसानों का धान तौल के लिए भी नहीं लिया जा रहा, जबकि जिनकी तौल हो चुकी है, उनके फिंगरप्रिंट दर्ज नहीं किए जा रहे। इससे भुगतान प्रक्रिया ठप पड़ी है। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मुख्य विकास अधिकारी के निर्देश पर शुक्रवार को बीडीओ मांडा अनीस अहमद ने दसवार स्थित हाटा क्रय केंद्र का निरीक्षण किया। मौके पर किसानों ने बताया कि केंद्र तय समय सुबह नौ बजे के बजाय काफी देर से खुलता है, जिससे उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ता है। निरीक्षण के दौरान यह भी सामने आया कि क्रय केंद्र पर धान खरीद के बाद सुरक्षित भंडारण की कोई व्यवस्था नहीं है। आरोप है कि बाहरी हस्तक्षेप के कारण केंद्र प्रभारी और विपणन निरीक्षक प्रभावी भूमिका नहीं निभा पा रहे हैं। क्रय केंद्र प्रभारी एके गुप्ता ने बताया कि उन्हें एक साथ दो क्रय केंद्रों का प्रभार दिया गया है, जिससे संचालन प्रभावित हो रहा है।

तंबुओं की नगरी फिर गुलजारः आस्था का वास... कल्पवासियों का डेरा, संगम की रेती पर कल्पवास करने का अक्षय पुण्य

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज में एक बार फि से तंबुओं की नगरी गुलजार हो गई है। आज से शुरू कल्पवास एक फरवरी को माघी पूर्णिमा पर पूर्ण होगा। प्रयागराज में कल्पवास करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है।

प्रयागराज में संगम की रेती पर शनिवार को पौष पूर्णिमा के पहले स्नान पर्व के साथ ही माघ मेला ही नहीं कल्पवास भी शुरू हो गया। ऐसी मान्यता है कि माघ मास में सभी देवी–देवता प्रयागराज में ही वास करते हैं, इसलिए यहां पौष पूर्णिमा से कल्पवास की शुरुआत होती है। प्रयागराज में कल्पवास करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है।

संगम की रेती पर बने तंबुओं में गृहस्थ और साधु–संत कल्पवास करते हैं। कल्पवास में लोगों की दिनचर्या नियमित और संयमित होती है। अखिल भारतीय दंडी संन्यासी परिषद के संरक्षक स्वामी महेशाश्रम महाराज के मुताबिक पौष पूर्णिमा पर जो श्रद्धालु कल्पवास के लिए आते हैं, उन्हें सबसे पहले संगम तट पहुंचने पर गणेश पूजन करना चाहिए।

इसके बाद गंगा पूजन और रेत से पिंडी बनाकर सभी देवी–देवताओं का पूजन करना चाहिए। इसके बाद श्रद्धालु अपने शिविर में पहुंचते हैं। जहां शिविर के बाहर तुलसी और कदली का पौधा रोपने का विधान है।

स्वामी बताते है कि प्रयाग, माघ और कल्पवास तीनों एक–दूसरे के पूरक हैं। इसका पौराणिक और शास्त्र वर्णित है कि श्रद्धालु पौष पूर्णिमा पर गंगा स्नान कर कल्पवास का संकल्प लेकर एक माह का कठिन तप और व्रत की शुरुआत करते हैं। इस दौरान ब्रह्मचर्य का पालन करते हैं।

तीन पहर गंगा स्नान और भूमि पर शयन करते हैं। एक पहर गुरु को भोजन कराने के बाद भोजन ग्रहण करते हैं। अपनी कुटिया में देवी–देवताओं की पूजा अर्चना के साथ ही रामायण और गीता का पाठ करते हैं। संत महात्माओं की कथाओं और प्रवचन का श्रवण करते हैं।

इस तरह से माघी पूर्णिमा तक कल्पवास का संकल्प चलता रहता है। कल्पवास पूरा होने पर श्रद्धालु भगवान सत्यनारायण की कथा का श्रवण कर आध्यात्मिक ऊर्जा बटोर कर अपने घर को लौटते हैं। वहीं, माघी पूर्णिमा के बाद भी कई साधु–संत और कल्पवासी मेले में बने रहते हैं। बताते है कि वे त्रिजटा स्नान के बाद अपने आश्रम व घरों के लिए वापसी करते हैं।

संगम तट पर आस्था का वास, कल्पवासियों से गुलजार तंबुओं की नगरी

संगम की रेती पर एक बार फिर आस्था ने डेरा डाल दिया है। शनिवार से शुरू हो रहे कल्पवास के लिए लाखों श्रद्धालु संगम तट पर पहुंच चुके हैं। दूर–दराज के क्षेत्रों से आए कल्पवासी व्रत–तप, साधना और संयम का संकल्प लेकर तंबुओं की नगरी में बस गए हैं। पूरे क्षेत्र में जप, तप और पूजा–अनुष्ठान की तैयारी आवश्यक सामान व्यवस्थित किया। संग लाए तुलसी के पौधों को कुटिया के बाहर रोपा गया, जबकि ठाकुर जी, पूजा सामग्री, दान की वस्तुएं, राशन और वस्त्र शिविरों के भीतर रखे गए। ई–रिक्शा, कार, पिकअप और ट्रैक्टर–ट्रॉलियों के माध्यम से पुआल, बिस्तर, राशन और जलावन लकड़ी लाते कल्पवासी पूरे दिन नजर आए।

सहसों निविगारापुर निवासी 71 वर्षीय श्याम मुरारी तिवारी अपने परिवार के साथ ओल्ड जीटी रोड स्थित डूंग जी भूरा मठ के शिविर में कल्पवास करने पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि वे कई वर्षों से पूरे परिवार के साथ कल्पवास कर रहे हैं। प्रतापगढ़ जिले के सराय नहर राय निवासी कमल किशोर पांडेय भी अपनी पत्नी के साथ शिविर में पहुंच गए हैं। उन्होंने संगम स्नान के बाद कल्पवास के शुभारंभ की बात कही।

कौशाम्बी निवासी 80 वर्षीय राजकुमारी देवी अपनी 12 वर्षीय नातिन अदिती मिश्र के साथ कल्पवास करने आई हैं। अदिती ने बताया कि स्कूल बंद होने के कारण वह दादी की सेवा के लिए साथ आई है।

वहीं, 22 वर्षों से कल्पवास कर रहे राजेंद्र प्रसाद पांडेय ने इसे जीवन का अभिन्न हिस्सा बताया। भदोही जिले के भवानीपुर निवासी रामयज्ञ शुक्ल ने बताया कि नियम के अनुसार कल्पवास के आरंभ पर संकल्प लिया जाएगा।

तुलसी पूजन का विशेष विधान

तीर्थ पुरोहितों के अनुसार कल्पवास के दौरान तुलसी पूजन का विशेष महत्व है। इसी कारण प्रत्येक कुटिया के बाहर तुलसी, केले और जौ के पौधे लगाए जा रहे हैं। मान्यता है कि जौ की वृद्धि के साथ ही सर्व मंगल और प्रगति होती है। कल्पवास के दौरान श्रद्धालु संगम की रेती पर व्रत, तप और पूजा–अनुष्ठान के साथ कठोर नियमों का पालन करेंगे। कल्पवासी दिन में दो बार स्नान और एक समय भोजन करेंगे। एक माह तक संयमित जीवन, साधना और सेवा ही उनका मुख्य संकल्प रहेगा।

संगम में आस्था का सैलाब...लगा रहे पवित्र त्रिवेणी में डुबकी, पौष पूर्णिमा पर पहला मुख्य स्नान

प्रयागराज। प्रयागराज में पौष पूर्णिमा स्नान जारी है। पौष पूर्णिमा के अवसर पर संगम तट पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है। लाखों श्रद्धालु पवित्र त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। माघ मेले पर 25 लाख श्रद्धालुओं के पुण्य की डुबकी लगाने का अनुमान है।

गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदियों के पावन संगम स्थल पर पौष पूर्णिमा के अवसर पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है। शनिवार की अलसुबह से ही लाखों श्रद्धालु पवित्र त्रिवेणी में डुबकी लगाकर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं।

वरिष्ठ रिपोर्टरों मुनींद्र वाजपेई और शिव त्रिपाठी द्वारा संगम से सीधे मिल रही जानकारी के अनुसार, इस शुभ स्नान के साथ ही एक माह तक चलने वाले कल्पवास का शुभारंभ भी हो गया है।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और धार्मिक अनुष्ठान

पौष पूर्णिमा के स्नान के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से लाखों की संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज पहुंचे हैं। भोर होते ही संगम तट पर जयकारों का शोर गूंजने लगा था। कड़ाके की ठंड के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था।

पवित्र त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालुओं को खासी मशक्कत करनी पड़ रही है, लेकिन भक्ति की भावना सभी को प्रेरित कर रही है। सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए हैं ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए हैं।

पौष पूर्णिमा स्नान पर 25 लाख श्रद्धालुओं के डुबकी लगाने का अनुमान

पौष पूर्णिमा स्नान के लिए शुक्रवार देर रात तक लाखों श्रद्धालु संगम तट पर पहुंच गए। मेला क्षेत्र जाने वाले मार्ग पर जाम की स्थिति रही। कल्पवासियों ने भी शिविरों में डेरा डाल दिया। पौष पूर्णिमा स्नान को देखते हुए सुरक्षा के इंतजाम कड़े किए गए हैं।

मेला के सातों सेक्टर के पांटून पुलों को वनवे कर दिया गया है। शनिवार को पौष पूर्णिमा पर प्रशासन का करीब 25 लाख श्रद्धालुओं के पुण्य की डुबकी लगाने का अनुमान है। सीएम योगी ने माघ मेला के आगाज पर कल्पवासियों व श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी हैं।

प्रशासन का दावा है कि इसके लिए तैयारी पूरी कर ली गई है। मेला क्षेत्र में 17 अस्थायी थाने और 42 पुलिस चौकियां स्थापित की गई हैं। एसपी मेला नीरज कुमार पांडेय ने बताया कि सुरक्षा के लिए 10 हजार पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। इसके साथ ही एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने भी मोर्चा संभाल लिया है। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष ट्रैफिक प्लान लागू किया गया है।

वंदे भारत, काशी महाकाल समेत 22 ट्रेनों का प्रयाग स्टेशन पर होगा ठहराव, यह है ट्रेनों की लिस्ट

प्रयागराज। गोरखपुर जाने वाली वंदे भारत, इंदौर–वाराणसी काशी महाकाल एक्सप्रेस समेत 22 ट्रेनों का ठहराव प्रयाग स्टेशन पर होने जा रहा है। उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल ने सभी 22 ट्रेनों की समय सारिणी जारी कर दी है। गोरखपुर जाने वाली वंदे भारत, इंदौर–वाराणसी काशी महाकाल एक्सप्रेस समेत 22 ट्रेनों का ठहराव प्रयाग स्टेशन पर होने जा रहा है। उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल ने सभी 22 ट्रेनों की समय सारिणी जारी कर दी है। अफसरों के अनुसार यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू भी कर दी गई है। यहां 20 फरवरी तक गोरखपुर वंदे भारत, गंगा कावेरी एक्सप्रेस, मनवर संगम एक्सप्रेस आदि ट्रेनों का ठहराव होगा। प्रयाग स्टेशन पर इन 22 ट्रेनों का ठहराव दो–दो मिनट के लिए होगा। गोरखपुर जाने वाली 22550 वंदे भारत का यहां आगमन दोपहर 3रू28 बजे होगा जो 3रू30 बजे रवाना होगी। इसी तरह गोरखपुर से आने वाली 22449 वंदे भारत का आगमन दोपहर 12रू58 बजे और रवानगी एक बजे होगी। प्रयागराज संगम से बस्ती जाने वाली मनवर संगम का यहां आगमन–प्रस्थान 5रू07–5रू09 बजे और वापसी में शाम 7रू36–7रू38 बजे होगा। एनसीआर के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि 20 फरवरी तक यहां 20416 इंदौर–वाराणसी सुपरफास्ट, 20941 बांद्रा टर्मिनस–गाजीपुर, 12382 नई दिल्ली–हावड़ा पूर्वा एक्सप्रेस, 12669 चेन्नई–छपरा गंगा कावेरी एक्सप्रेस, 22434 आनंद विहार–गाजीपुर, 22183 लोकमान्य तिलक–अयोध्या, 12165 लोकमान्य तिलक–गोरखपुर, 12539 यशवंतपुर–लखनऊ, 11055 गोदान एक्सप्रेस, 11059 लोकमान्य तिलक–छपरा, 18205 दुर्ग–नौतनवा, 22103 लोकमान्य तिलक–अयोध्या कैंट, 22683 यशवंतपुर–लखनऊ का ठहराव रहेगा।

मानदेय की मांग को लेकर आशा कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

प्रयागराज। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करछना में शुक्रवार को मानदेय की मांग को लेकर आशा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन दिया। आशा कार्यकर्ताओं ने कहा कि उन्हें मानदेय देने के बजाय कमीशन पर रखा गया है, लेकिन बीते 6 महीनों से वह भी नहीं दिया जा रहा है। समय पर वेतन का भुगतान न होने से उनके सामने आर्थिक स्थिति उत्पन्न हो गई है। इस दौरान उन्होंने कहा कि उन्हें ग्रामीण राज्य क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ कहा जाता है। उनसे गर्भावस्था देखभाल, टीकाकरण, संस्थागत प्रसव, परिवार नियोजन परामर्श, गोल्डन कार्ड आयुष्मान कार्ड आभा आईडी सहित अन्य कार्य लिए जाते हैं। कोरोना के दौरान भी लोग अपने घरों में थे। उस दौरान आशा कार्यकर्ताओं ने अपनी दायित्व का निर्वहन करते हुए जिम्मेदारी निभाई। उसके बावजूद भी उन्हें मानदेय से नहीं जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहां जब तक उनकी मांग नहीं मानी जाएगी, तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा।

बोरी है नहीं, सहकारी समिति तेंदुआ कला में चार दिन से धान खरीद ठप

प्रयागराज। बोरी के अभाव में सहकारी समिति तेंदुआ कला में चार दिन से धान की खरीद ठप है। ऐसे में किसान परेशान हैं। जबकि किसानों ने कई बार इसकी शिकायत स्थानीय प्रशासन के अलावा विभाग में की लेकिन समस्या दूर नहीं की जा सकी।

बता दें कि किसानों को राहत देने के लिए यूपीएसएस (उप्र सहकारी समिति) की ओर से सहकारी समिति तेंदुआ कला में भी धान क्रय केंद्र खोला गया है। एक नवंबर से शुरू की गई धान की खरीद 144 किसानों के बीच में 6800 क्विंटल धान की खरीद की गई है। इधर, चार दिन से केंद्र पर बोरी न होने की वजह से धान खरीद प्रभावित हो रही है। तेंदुआ के किसान लाल साहब सिंह, पौसिया के किसान अरविन्द द्विवेदी, नरेंद्र मिश्र, प्रदीप तिवारी, महेंद्र सिंह पटेल, रघुराज सिंह ने बताया कि कई बार स्थानीय प्रशासन के अलावा विभाग से शिकायत की गई लेकिन बोरी नहीं भेजी गई। जिससे समस्या जस की तस है। केंद्र प्रभारी आलोक कुमार ने बताया कि बोरी के अभाव में धान की खरीद नहीं हो पा रही है। वहीं खरीद की गई धान भारी मात्रा में डंप पड़ा है।

बोरी के अभाव में धान की खरीद तेंदुआ सहकारी समिति में ठप पड़ी हुई है। इस समस्या को लेकर शुक्रवार को यूपीएसएस के रीजनल मैनेजर से मिलकर समस्या बताई गई है। जल्द ही बोरी की आपूर्ति किए जाने का आश्वासन मिला है। –राहुल तिवारी, अध्यक्ष, साधन सहकारी समिति तेंदुआ कला

खरीदे गए धान का उठान न होने से काफी दिक्कतें बढ़ गई हैं। साधन सहकारी समिति तेंदुआ कला के प्रभारी आलोक कुमार ने बताया कि खुले आसमान में खरीदे गए धान को रखना मजबूरी है। संकट यह है कि उसकी रखवाली के लिए दो–दो चौकीदारों को रखा गया है।

बच्चों को मोबाइल की लत से दूर करने में बाल साहित्य उपयोगी : दिनेश

प्रयागराज। बाल साहित्य से बच्चों में साहित्य के प्रति प्रेम पैदा किया जा सकता है। साहित्य हमारी संस्कृति और इतिहास की जड़ है। उक्त बातें दिनेश प्रताप सिंह चित्रेश ने जसरा साहित्य संवर्धन संस्थान व बच्चों की प्यारी बगिया की ओर से मां कोयल देवी स्मृति बाल साहित्य समारोह में बतौर मुख्य वक्ता कही। उन्होंने कहा कि अगर हम बच्चों के अंदर साहित्य के प्रति रुचि पैदा कर लें तो वह मोबाइल कि गलत प्रयोग से काफी हद तक दूर हो जाएगा। इस दौरान उन्होंने पुरानी बाल साहित्य नंदन, चंपक बाल साहित्य तथा पंचतंत्र जैसी कथाओं का भी स्मरण किया। मुख्य अतिथि डॉ. दयाराम मौर्य रत्न ने साहित्यकारों से वर्तमान समय में अपनी भूमिका निभाने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

जयपुर में सम्मानित हुई प्रयागराज की कवयित्री डॉ. पूर्णिमा पांडेय 'पूर्णा'

जयपुर (राजस्थान) स अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा विद्याधर नगर में नव उदय प्रकाशन द्वारा 'संत मीराबाई नवोदय साहित्यिक सम्मान 2025' का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। मुख्य अतिथि दिनेश जांगिड़, आचार्य सत्य नारायण पाटोदिया, श्री नंद लाल शास्त्री, नव उदय

की डायरेक्टर श्रीमती शिव्या जैन एवम श्रीमती अलका जैन ने कार्यक्रम का उदघाटन किया। समारोह के दौरान साहित्य एवम कला क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले रचनाकारों को कलाकारों को सम्मानित किया गया।

इस समारोह में प्रयागराज की वरिष्ठ कवयित्री डॉ पूर्णिमा पाण्डेय 'पूर्णा' को साहित्यिक गतिविधियों में सराहनीय योगदान के लिए संत मीराबाई नवउदय साहित्यिक सम्मान 2025 देकर सम्मानित किया गया, डॉ पूर्णिमा पाण्डेय ने गुरु पर दोहों की शानदार प्रस्तुति कर के वाहवाही बटोरी। साहित्यजनों और उनके परिजनों ने खुशी व्यक्त की है। इस अवसर पर अनेको गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

आरेडिका में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठक एवं गृह पत्रिका 'प्रगति' का विमोचन'

रायबरेली। आरेडिका राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक प्रशांत कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक आरेडिका की अध्यक्षता एवं आरेडिका राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यगणों की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। बैठक में गत तिमाही में सम्पन्न राजभाषा संबंधी गतिविधियाँ, राजभाषा प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा एवं आगामी तिमाही के प्रस्तावित

कार्यों पर विस्तृत चर्चा की गयी। आरेडिका में राजभाषा के प्रचार–प्रसार एवं लेखन–कौशल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से त्रैमासिक प्रकाशित होने वाली गृह पत्रिका "प्रगति" के दिसम्बर–2025 अंक का विमोचन माननीय महाप्रबंधक महोदय के कर कमलों द्वारा किया गया। इस पत्रिका में समस्त विभागों से प्राप्त लेखों यथा काव्य संग्रह, कहानियाँ, संस्मरण, रेखाचित्र आदि को शामिल किया गया। महाप्रबंधक महोदय द्वारा रचनाकारों की सराहना की गयी। पत्रिका "प्रगति" के विमोचन में आरेडिका के राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य (प्रमुख विभागाध्यक्ष), सचिव महाप्रबंधक, मुख्य राजभाषा अधिकारी, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं राजभाषा अधिकारी उपस्थित थे।

बीजेपी विधायक का निधन, योंगी ने परिवार को बंधाया ढांढस

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में फरीदपुर से भाजपा विधायक रहे प्रोफेसर डॉ. श्याम बिहारी लाल के निधन के बाद शनिवार को शोक का माहौल रहा। उनके निधान के दूसरे दिन सुबह 11 बजकर 43 मिनट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शक्ति नगर कॉलोनी स्थित उनके आवास पहुंचे। मुख्यमंत्री ने दिवंगत विधायक की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। जानकारी के अनुसार, प्रोफेसर डॉ. श्याम बिहारी लाल शुक्रवार को सर्किट हाउस में पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह की बैठक में शामिल होने पहुंचे थे। बैठक में उनका पुराना अंदाज भी दिखा। उन्होंने सहपाठी मीरगंज विधायक डीसी वर्मा से हंसी–ठिठोली कर ली। फिर अचानक कुछ ऐसा घटा, जिसकी किसी ने कल्पना तक नहीं की थी। बैठक समाप्त होने के बाद भोजन के दौरान उनकी अचानक तबीयत बिगड़ गई। उन्हें तुरंत उपचार दिया गया, लेकिन करीब एक घंटे बाद उनका निधन हो गया। डॉक्टरों ने मृत्यु का कारण हृदयाघात बताया है। उनके आकस्मिक निधन से राजनीतिक ही नहीं, बल्कि सामाजिक क्षेत्र में भी गहरा शोक व्याप्त है। शनिवार को उनके पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग उनके आवास पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिवंगत विधायक की पत्नी, बेटियों और बेटे से मुलाकात कर शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं और परिवार की कुशलक्षेम जानी। इस दौरान वन राज्यमंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना भी मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने पूरे परिवार से मिलकर गहरा दुख व्यक्त किया और करीब 15 मिनट रुकने के बाद वहां से रवाना हो गए। दोपहर करीब 12 बजे शक्ति नगर स्थित आवास से विधायक की अंतिम यात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। उनका अंतिम संस्कार फरीदपुर के स्टेशन रोड स्थित श्मशान भूमि पर किया जाएगा।

लखनऊ में एआई सिटी यूपी को बनाएगी वैश्विक टेक हब

एआई विजन से 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ेंगे कदम

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश देश के बड़े तकनीकी और डिजिटल केंद्र के रूप में उभर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा जिस दूरदर्शी विकास मॉडल को अपनाया गया है उसका अगला बड़ा गंतव्य लखनऊ में प्रस्तावित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई सिटी है। मुख्यमंत्री ने जनता के नाम अपने पत्र में भी एआई सिटी को लेकर प्रतिबद्धता स्पष्ट किया था। यह प्रोजेक्ट उत्तर प्रदेश की आर्थिक दिशा को नई गति देने के साथ प्रदेश को वैश्विक टेक मानचित्र पर एक मजबूत पहचान दिलाने का काम करेगा। एआई सिटी को दो हिस्सों में विकसित किया जाएगा।

लोकजनशक्ति पार्टी रामविलास की पश्चमी उत्तरप्रदेश की कार्यकारिणी घोषित

विधानसभा चुनावों के लिये चिराग पासवान की सेना सेनापति पवन वर्मा के नेतृत्व में तैयार

मेरठ। लोकजनशक्ति पार्टी रामविलास की पश्चमी उत्तरप्रदेश के अध्यक्ष ने अपनी प्रदेश की नई कार्यकारिणी की घोषणा की विगत 28 दिसंबर 2025 को प्रदेश अध्यक्ष पवन वर्मा ने विधानसभा चुनावों के दृष्टिगत अपनी पुरानी कार्यकारिणी को भंग कर दिया था संग़ठन मे सक्रिय व नई ऊर्जा का संचार करने के उद्देश्य से प0 उत्तरप्रदेश के अध्यक्ष पवन वर्मा ने अपनी नई कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए उसमे हर जाति व धर्म का सम्मान किया । पवन वर्मा ने अपनी नई कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए अपनी नई टीम से पूरी ऊर्जा के साथ लोकजनशक्ति पार्टी रामविलास का विस्तार करने व गाँव गाँव प्रत्येक वार्ड में पार्टी संग़ठन को मजबूत करने का आह्वान किया । पवन वर्मा ने काफी हद तक अपनी पुरानी टीम पर पुनः विश्वास जताया। प्रदेश अध्यक्ष पवन वर्मा ने बताया कि कुछ और पार्टी के कर्मठ जुझारू और पार्टी के प्रति समर्पित पदाधिकारियों को 15 जनवरी 2026 तक कमेटी में रखा जायेगा। उन्होंने बताया कि पश्चिमी उत्तार प्रदेश कार्यकर्ताओं का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 15 मार्च के आसपास लगाया जायेगा। प्रशिक्षण शिविर के अन्तिम दिन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केन्द्रीय केबिनेट मंत्री मा० चिराग पासवान जी को

बुलाया जायेगा। कार्यालय प्रभारी अनिरूद्ध कुमार ने प्रेस बयान जारी करते हुए बताया कि प्रदेश कमेटी निम्न प्रकार रहेगी।

पवन कुमार वर्मा– प्रदेश अध्यक्ष

राजीव गोयल –प्रधान महासचिव

शैलेन्द्र सिंह, देवेन्द्र त्यागी, सुनील दीक्षित, डॉ जे एस तोमर प्रदेश उपाध्यक्ष। प्रदीप अरोड़ा, सिद्धार्थ , जितेन्द्र यादव, एस. के. झा, ओंकार सिंह भदोड़ा, मोती लाल सिंघानिया– प्रदेश महासचिव, राकेश कुमार लोधी, सूफी अब्दुल वहाब , पवन कुमार, सुशील कुमार सिंह, मौ० अजीम– प्रदेश सचिव, सुन्दर सिंह प्रधान, डा0 हकीम बुराहन, श्याम चरण, अरशद खान, करण सिंह गौतम– संगठन मंत्री, अतुल कुमार– मीडिया प्रभारी, अनिरूद्ध कुमार– कैम्प कार्यालय प्रभारी का दायित्व सौपा।

मुख्यमंत्री के आदेशों की कस्तूरबा विद्यालयों ने उड़ाई धज्जियाँ, आदेशों के विपरीत तेज ठंड मे खोले हुए हैं विद्यालय

स्कूल खोलने के पीछे का सच आया सामने बड़े भ्रष्टाचार को खुली पोल

तेज ठंड में बच्चों के स्वास्थ्य कि नहीं है कोई परवाह कस्तूरबा विद्यालयों द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य से किया जा रहा है खिलवाड़

मुजफ्फरनगर। देश प्रदेश में स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही को लेकर अनेक मामले की प्रकाश में आ रहे हैं। जिससे सरकार की अक्सर बदनामी होती है। नागरिकों व बच्चों के ठंड से बचाव को जहां सरकार गंभीर नजर आती है वहीं प्रशासन इसके विपरीत कार्य कर रहा है।

हादसा होने के बाद जहां सरकार को भारी फजिहत का सामना करना पड़ता है। वहीं लापरवाह प्रशासन ने फिर प्रदेश की योगी सरकार की जैसे फ़जीहत करने की ठान ली है। तेज़ ठंड के प्रकोप से बच्चों को बचाने को लेकर जहां सरकार ने स्कूलों की छुट्टियां कर दी हैं वहीं कस्तूरबा गाँधी आवासीय विद्यालय आदेशों को ठेंगा दिखाकर मुख्यमंत्री के आदेशों को खुलेआम धता बता रहे हैं।

क्या है विद्यालयों को खोलने की साजिश.......

जहा पूरे प्रदेश में मुख्यमंत्री योगिआदित्य नाथ के आदेशों के अनुपालन में कक्षा 1 से कक्षा 12 तक के सभी बच्चो

के स्कूल बंद है तो वही जनपद सहारनपुर की जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी व वहां की डिस्ट्रिक्ट कॉर्डिनेटर के लिये मुख्यमंत्री का आदेश कोई मायने नही क्योकि कस्तूरबा विद्यालयों को बंद करने का मतलब है उनकी अवैध कमाई बंद होना क्योकि कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों से ही एक अच्छी खासी रकम जुटती है। पूरे प्रदेश में अधिकांश कस्तूरबा व अन्य आवासीय विद्यालय बंद किया जा चुके है क्योंकि कड़कड़ाती ठंड से बच्चे तो क्या आमजन बदहाल है और कस्तूरबा में छोटी छोटी बच्चियों के ठंड के कारण हाथ पाव की उंगलियां तक सूजी है लेकिन अधिकारियों को सिर्फ अपने तानाशाही फरमान से ही मतलब है कस्तूरबा के कार्यरत अंशकालिक अध्यापिकाओं द्वारा शीत कालीन अवकाश के लिये डिस्ट्रिक्ट कॉर्डिनेटर को निवेदन करने पर नोटिस दिए जाने की धमकी भी दी जाती है ऐसा अपना नाम न छापने की शर्त पर अंशकालिक अध्यापिकाओं ने बताया । लेकिन सभी आलाधिकारियों ने चुप्पी साध रखी है उनकी चुप्पी भी किसी बड़े खेल पर इशारा करती नजर आ रही है।

माघ मेला 2026 का शुभारंभ, सीएम योगी ने दी श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएं

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माघ मेला के शुभारंभ और पावन पौष पूर्णिमा के अवसर पर प्रदेशवासियों एवं देशभर से आए श्रद्धालुओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने तीर्थराज प्रयाग के पवित्र संगम में आस्था की डुबकी लगाने पहुंचे पूज्य साधु–संतों, धर्माचार्यों, सभी अखाड़ों तथा कल्पवासियों का गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि माघ मेला सनातन संस्कृति, आस्था और परंपरा का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती से सभी श्रद्धालुओं के मनोरथ पूर्ण होने की प्रार्थना की तथा मेला अवधि में श्रद्धालुओं की सुख–सुविधा, सुरक्षा और सुव्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि प्रयागराज में गंगा तट पर आस्था के महापर्व माघ मेला 2026 का शुभारंभ हो चुका है। पौष पूर्णिमा के पहले स्नान पर्व पर संगम तट पर श्रद्धालुओं का जन सैलाब उमड़ा है। कड़ाके की ठंड के बाद भी दूर–दूर से आए श्रद्धालु भक्ति भाव से स्नान कर मां गंगा की पूजा कर रहे हैं। ब्रह्म मुहूर्त से अब तक लाखों लोग आस्था की डुबकी लगा चुके हैं।मेला प्रशासन का अनुमान है कि आज 25 लाख से ज्यादा श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगाएंगे।पूर्णिमा तिथि की शुरुआत सुबह तीन बजे से हो गई है, जिसके बाद से गंगा तट पर श्रद्धालुओं की डूबकी का सिलसिला शुरू हो चुका है। माघ मेले में 75 साल बाद दुर्लभ शुभ संयोग बन रहा है। आज से

श्रद्धालु कल्पवास का संकल्प लेकर कल्पवास की शुरुआत करेंगे। माघ मेले में 20 से 25 लाख कल्पवासी माघ मेले में एक माह का प्रवास करते हैं। कल्पवासियों की पूरे एक महीने तक कठिन तपस्या और साधना चलती है। इसके साथ ही प्रमुख स्नान पर्वो पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी पहुंचते हैं।

राजधानी में शीतलहर के साथ ओस की बारिश ,गलन से पिघल रहे हाथ

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में आज कोहरा काफी कम रहा। सुबह ओस की बूंदें महसूस की गईं। तापमान में 5.5 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। गलन बढ़ गई है। इसी के चलते सरकार ने 12वीं तक स्कूलों, इंटर कॉलेजों में अगले 3 दिन (3, 4, 5 जनवरी) की छुट्टी घोषित कर दी है। शुक्रवार शाम के बाद चली हवाओं की वजह से आज शनिवार को सुबह कोहरा बीते दिनों के मुकाबले नहीं रहा। कल सुबह विजिबिलिटी 100 मीटर रही, वहीं आज सुबह 1 किमी से ज्यादा दूर तक साफ दिखाई दिखाई। यह मौसम गेहूं, सरसों के लिए अच्छा है। आज न्यूनतम तापमान 8.6 डिग्री सेल्सियस (0.8) दर्ज किया गया। वहीं, अधिकतम तापमान 14.6 डिग्री सेल्सियस (–5.5) तक गिरा। आर्द्रता औसतन 92 दर्ज की गई। वैज्ञानिकों के अनुसार, आज अधिकतम तापमान 18, न्यूनतम 9 डिग्री दर्ज किया जाएगा। मौसम विभाग ने लोगों को सावधानी बरतने और आवश्यक न होने पर सुबह–शाम यात्रा से बचने की सलाह दी है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार, 1 जनवरी से निचले क्षोभ मंडल की स्थिरता भंग हुई थी। पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर–पूर्व की ओर बढ़ने के बाद सतह पर तेज हवाएं चलने लगीं, जिससे गतिशील अस्थिरता पैदा हुई। इसका असर यह हुआ कि जमीन के पास जमी कोहरे की परत हट गई, लेकिन थोड़ी ऊंचाई पर वातावरण स्थिर बना रहा।

इसी वजह से लखनऊ और मध्य उत्तर प्रदेश के ऊपर उठा हुआ कोहरा छाया रहा और धूप जमीन तक नहीं पहुंच सकी। लखनऊ के पूर्व में पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश से आने वाली कोहरे की परत पूरी तरह साफ हो चुकी है।

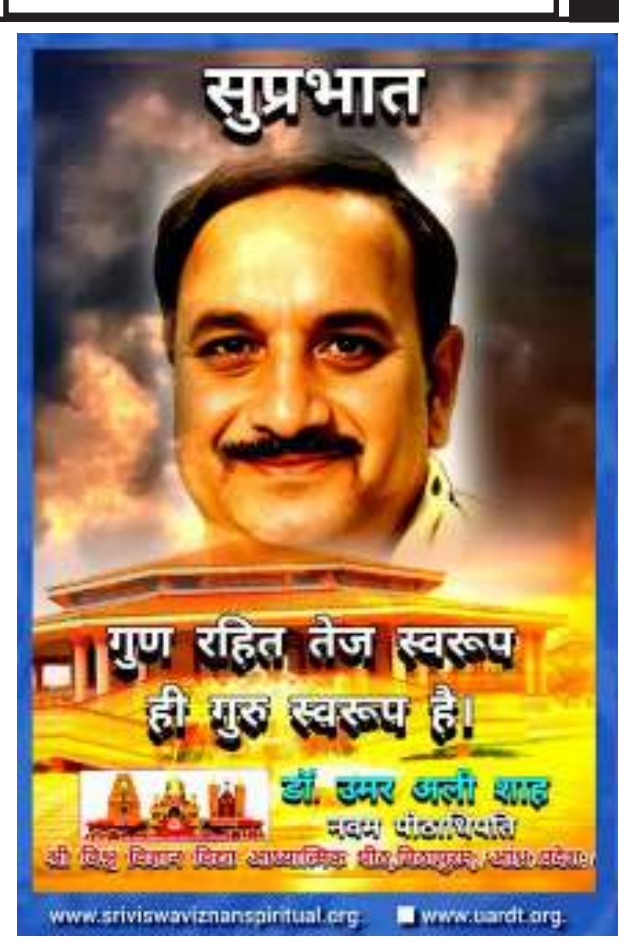

फूल दिखाते राह

(कुण्डलिया)

चाहे दैनिक प्रार्थना, या हो भव्य विवाह।
सबकी लिखकर भूमिका, फूल दिखाते राह।
फूल दिखाते राह, नहीं भटकाते जग को।
मानवता का पाठ, पढ़ाते हैं वह सबको।
सुन लो कहें प्रदीप,सभी से ये बतियाते।
ईश्वर हैं बस एक, धर्म कोई हो चाहे।।

अर्थी के ही साथ में, फूल पहुँच श्मशान।
महका कर उस भूमि को, गाते निर्गुण गान।
गाते निर्गुण गान, अर्थ जीवन का भरके।
माया का यह लोक, यहाँ के हैं यह झटके।
सुन लो कहें प्रदीप, वही जग में समदर्शी।
कहा सत्य है मृत्यु, शेष सबकुछ है अर्थी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना ने दिसंबर 2025 में उत्पादन का नया रिकॉर्ड बनाया

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (MCF) रायबरेली ने दिसंबर 2025 में उत्पादन के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल करते हुए नया रिकॉर्ड बनाया है। डब्ध ने, न केवल मासिक बल्कि दिसंबर तक के समग्र गेटआउट एवं आउटटर्न में भी नए कीर्तिमान स्थापित कर भारतीय रेल के उत्पादन मानकों को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया है। दिसंबर 2025 में डब्ध ने अब तक का सर्वाधिक मासिक 212 कोच गेटआउट किया है। जबकि इससे पूर्व दिसंबर 2024 में सर्वश्रेष्ठ मासिक गेटआउट 150 कोच था। इसके साथ ही 2025–26 की तीसरी तिमाही तक कुल गेटआउट 1469 कोच रहा, जो कि दिसंबर 2024 के समान अवधि में हुए 1223 कोच से 20: अधिक है। डब्ध के ळड प्रशांत कुमार मिश्र ने बताया, कि दिसंबर 2025 तक कुल 1454 कोच का उत्पादन किया गया, जो कि इससे पहले उच्चतम उत्पादन वर्ष 2019 में 1402 कोच तथा वर्ष 2024 में 1394 कोच था। इसी प्रकार डब्ध ने तीसरी तिमाही तक अब तक का सर्वाधिक उत्पादन है। उन्होंने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह रिकॉर्ड उत्पादन आरेडिका की पूरी टीम के समर्पण, अनुशासन और सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। यह टीमवर्क दक्षता और उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

उत्तर मध्य रेलवे

सं0-Sig/D&AR/G.P./2025 दिनांक: 30.12.2025

गैर-हाजिरी सूचना

श्री गोकुल प्रसाद पुत्र श्री मुन्नीलाल, हेल्पर / करछना, निवास स्थान- मदगुड़ा गोपालपुर (विंध्यांचल) जिला- मिर्जापुर (U.P.) पिन कोड - 231210 को सूचित किया जाता है कि आप दिनांक 26.08.2023 से लगातार अपनी ड्यूटी से अनुपस्थित चल रहे है । आप इस सूचना के प्रकाशित होने के तिथि से 10 दिन के अन्दर वरि0 मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता/सम0/प्रयागराज, द्वितीय तल मंडल रेल प्रबन्धक, कार्यालय नवाब यूसुफ रोड प्रयागराज के कार्यालय में अवश्य उपस्थित हो, अन्यथा यह माना जाएगा कि आप आगे रेल सेवा नहीं करना चाहती है। जिसके कारण रेल प्रशासन को एक तरफा निर्णय लेने हेतु बाध्य होना पड़ेगा।

नाम - श्री गोकुल प्रसाद
पुत्र- श्री मुन्नीलाल
पता- मदगुड़ा गोपालपुर (विंध्यांचल)
जिला- मिर्जापुर (U.P.)
पिन:- 231210

सहा0 मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभि0 / संकेत /पूरब /प्रयागराज
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज
18/26(DG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

No.: DYCE-II-GSU-PRYJ-13&14-2025 दिनांक: 01.01.2026

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य अभियन्ता-II/जी.एस.यू./प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे के अधीन निम्नलिखित निर्माण कार्यो हेतु ई-निविदायें आमंत्रित करते है (द्वारा खुली निविदा - दो पैकेट प्रणाली)। बोली लगाने वाले अपने मूल/ संशोधित बिड्स समाप्ति तिथि एवं समय तक मात्र जमा कर सकते है। इस निविदा के लिए मैनुअल ऑफर की अनुमति नहीं है और प्राप्त किसी ऐसे मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा।

निविदा संख्या: DYCE-II-GSU-PRYJ-13-2025	अनुमानित लागत: 108.89 करोड़
कार्य का विवरण: उत्तर मध्य रेलवे के अन्तर्गत कानपुर-इटावा खंड में किमी 1032/9-11 पर एलसी 83 और किमी 1040/09-11ए पर एलसी 86-बी के स्थान पर 02 लेन रेल उपरिगामी सेतु (पहुंच सहित एंड-टू-एंड) का निर्माण।	
धरोहर धनराशि: 55,94,500/-	निविदा फार्म का मूल्य: 0.00
खुलने की तिथि: 28.01.2026, 15:00 Hrs.	कार्य समापन अवधि: 15 महीने
निविदा संख्या: DYCE-II-GSU-PRYJ-14-2025	अनुमानित लागत: 8.99 करोड़
कार्य का विवरण: उत्तर मध्य रेलवे, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/सड़क सुरक्षा परियोजना के कार्यालय के लिए सामान्य परामर्शदाता की नियुक्ति।	
धरोहर धनराशि: 5,99,800/-	निविदा फार्म का मूल्य: 0.00
खुलने की तिथि: 03.02.2026, 15:00 Hrs.	कार्य समापन अवधि: 24 महीने

नोट: 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) https://www.ireps.gov.in पर निर्धारित तिथि तक 15:00 बजे तक उपलब्ध रहेगा। 2. उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप से बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु टेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T. Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class-III, Digital हस्ताक्षर प्रमाण-पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। 5. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है।

08/26 (ADM)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

सम्पादकीय........

मेहनतकशों की बेकद्री

बाजार आने–जाने के झंझट से बचा लोगों के घरों में तुरत–फुरत जीवन उपयोगी सामान पहुंचाने वाले गिग–वर्कर्स की जटिल कार्यपरिस्थितियां और पसीने का मोल न मिलना, बेहद चिंता की बात है। अपना व परिवार का पोषण करने वाले ये युवा अकसर सरपट मोटरसाइकिल दौड़ाते और सीढ़ियां चढ़कर ऊंची मंजिलों में दरवाजों तक सामान पहुंचाते देखे जा सकते हैं। बेहद कम मेहनताने, कंपनी मालिकों के दबाव व ग्राहकों की उपेक्षा झेलते गिग वर्कर्स ने नये साल की पूर्व संध्या पर हड़ताल करके अपनी बदहाली को ही उजागर किया है। संवेदनशील कार्य परिस्थितियों और नौकरी की असुरक्षा के चलते गिग–वर्कर्स हड़ताल पर थे। हालांकि, नये साल पर काम के दबाव व पूरी तरह संगठित न होने के कारण इनकी हड़ताल का कुछ ही इलाकों में असर देखा गया। पूरे देश में सामान की आपूर्ति बाधित हुई हो, ऐसा भी कोई समाचार नहीं मिला है। लेकिन गिग–वर्कर्स की विषम कार्य–परिस्थितियों की ओर पूरे देश का ध्यान जरूर गया है। पिछले दिनों आप के राघव चड्ढा और राजद के मनोज कुमार झा जैसे सांसदों ने गिग वर्कर्स के शोषण का मुद्दा संसद में उठाया था। निस्संदेह, देश की गिग अर्थव्यवस्था ने रोजगार सृजन में अपनी क्षमता साबित की है। विडंबना है कि भारत युवाओं को देश का कहा जाता है, लेकिन हम उनकी आकांक्षाओं का रोजगार नहीं दे पा रहे हैं। दरअसल, गिग–वर्कर्स की प्रमुख मांग है कि उनके काम का बेहतर भुगतान हो और उनके लिये बेहतर कामकाजी परिस्थितियां बनायी जाएं। उनकी इस हड़ताल ने इन मुद्दों पर देश का ध्यान खींचा है। लेकिन देश के प्रमुख खाद्य वितरण करने वाली कंपनी ने 31 दिसंबर को इस हड़ताल के बावजूद ऑर्डर में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की। वहीं थके–हारे बाइकर्स अपनी अनगिनत शिकायतें व्यक्त करते रहे। दरअसल, विडंबना यह है कि खूब काम लेने के बावजूद गिग–वर्कर्स को पारंपरिक नियोक्ता–कर्मचारी के दायरे से बाहर आजीविका कमाने वाले व्यक्तियों के रूप में परिभाषित किया जाता है। दरअसल, गिग–वर्कर्स को नई अर्थव्यवस्था में नियोक्ता एक कर्मचारी के रूप में नियुक्त करने के दायित्व से बचने का प्रयास करते हैं। लेकिन नियोक्ताओं की हायर व फायर की रणनीति के चलते, वे असुरक्षित कार्य परिस्थितियों में काम करने को बाध्य होते हैं। इसके बावजूद वे आज शहरी जीवन व्यवस्था के लिये अभिन्न अंग बन गए हैं। लोगों की छोटी–छोटी जरूरतों के लिए दौड़ते रहते हैं। वे सामान दस मिनट तक दरवाजे पर पहुंचाने के दबाव में हांफते–भागते, मोटरसाइकिल दौड़ाते और सीढ़ियों पर सामान चढ़ाते अकसर नजर आते हैं। आम तौर पर उपभोक्ताओं का व्यवहार भी अच्छा नहीं होता। देरी होने पर इन्हें झिड़का जाता है। सामान में नुक्स निकालकर इन्हें दौड़ाया जाता है। आज भारत में इनकी संख्या सवा करोड़ से अधिक है। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक इन कामगारों की संख्या दो करोड़ पैंतीस लाख तक हो सकती है। निश्चित रूप से आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र की अनदेखी नहीं की जा सकती। लेकिन फिलहाल स्थिति यह है कि मेहनताने में कटौती, जरा सी चूक पर आर्थिक दंड तथा समय से पहले पहुंचाने के दबाव से गिग–वर्कर्स त्रस्त हैं। मुश्किल परिस्थितियों में काम करते रहने के बावजूद ये कामगार हड़ताल में बड़ी संख्या में भाग नहीं ले पाये। दरअसल, प्लेटफॉर्म अकसर प्रोत्साहन और अतिरिक्त वेतन के जरिये श्रमिकों के विरोध प्रदर्शन को दबा देते हैं। निश्चित रूप से गिग–वर्कर्स का लगातार 14 घंटे काम करने के बावजूद सात–आठ सौ रुपये कमाना और दुर्घटना बीमा से वंचित रखना, इस व्यवस्था की उन खामियों की ओर भी इशारा करता है, जिन्हें केवल फौरी लालच या प्रोत्साहन से ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में हालिया श्रम सुधारों का महत्व बढ़ जता है। जिसमें पहली बार, गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को कानून के तरह औपचारिक रूप से परिभाषित किया गया है। एग्रीगेटर के टर्नओवर का एक से दो फीसदी सामाजिक सुरक्षा कोष में अनिवार्य योगदान और आधार से जुड़े सार्वभौमिक खाता नंबर को कानूनी मान्यता की दिशा में एक लंबे समय से प्रतीक्षित बदलाव का संकेत देते हैं। हालांकि, कार्यान्वयन ही यह निर्धारित करेगा कि ये सुधार परिवर्तनकारी साबित होते हैं या केवल प्रतीकात्मक रहते हैं।

पत्रकार से अभद्रता और सही जवाब

एजेन्सी

> “पिछले लगभग एक हफ्ते से दूषित पानी से बीमार होने की खबर आ रही थी। फिर पता चला कि मुख्य जल आपूर्ति लाइन में लीकेज के कारण सीवरेज का पानी मिलने से सैकड़ों लोग उल्टी–दस्त के शिकार हो गए हैं। कम से कम 13 लोगों की तो जान ही जा चुकी है।”

पुराने साल के बीतने और नए साल के आने के दरम्यान मध्यप्रदेश से एक अच्छी और एक बुरी खबर आई। बुरी खबर यह कि देश के स्वच्छतम शहरों में शुमार राज्य की आर्थिक राजधानी इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी की वजह से फैले संक्रमण ने गंभीर रूप ले लिया है। पिछले लगभग एक हफ्ते से दूषित पानी से बीमार होने की खबर आ रही थी। फिर पता चला कि मुख्य जल आपूर्ति लाइन में लीकेज के कारण सीवरेज का पानी मिलने से सैकड़ों लोग उल्टी–दस्त के शिकार हो गए हैं। कम से कम 13 लोगों की तो जान ही जा चुकी है और कई अब भी अस्पताल में भर्ती हैं।गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में लगातार भाजपा का शासन बना हुआ है। 2018 में कांग्रेस ने चुनाव जीता भी था, लेकिन कमलनाथ सरकार को ज्योतिरादित्य सिंधिया की मदद से भाजपा ने गिरवा दिया और फिर से अपनी सरकार बना ली। इंदौर के सभी 9 विधायक भाजपा से हैं, सांसद भी भाजपा के हैं, महापौर भी भाजपा के हैं और सबसे बढ़कर शहरी विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी भाजपा से ही हैं। इसके बावजूद अगर इतने लोग दूषित जल से मर जाएं, तो फिर नैतिकता यही कहती है कि जिम्मेदार लोगों को फौरन इस्तीफे की पेशकश

कर देनी चाहिए। लेकिन मोदीजी के नए भारत में इस्तीफे नहीं होते, ये बात तो खुद राजनाथ सिंह कह चुके हैं।इस नए भारत में जनप्रतिनिधि मीडिया को सवाल पूछने का हक भी नहीं देते हैं, यह बात भी अब मोदी सरकार को और भाजपा को आधिकारिक तौर पर कह देनी चाहिए। क्योंकि लगातार ऐसे प्रकरण हो रहे हैं जिसमें सवाल पूछने वाले पत्रकार से बदसलूकी हो रही है। तो इस बुरी खबर के बीच अच्छी खबर ये है कि भाजपा भले ही सवाल पूछने का हक न दे, लेकिन देश में अभी कुछ पत्रकार बचे हैं जो न केवल सवाल पूछ रहे हैं, बल्कि मंत्री की तरफ से गलत भाषा के इस्तेमाल पर खुल कर विरोध भी कर रहे हैं। दरअसल कैलाश विजयवर्गीय से एनडीटीवी के पत्रकार अनुराग द्वारी ने दूषित जल प्रकरण पर सवाल किए तो उन्होंने झल्लाते हुए कहा कि फोकट के प्रश्न मत पूछो, श्री द्वारी इस पर भी नहीं रुके और उन्होंने प्रतिवाद किया, साथ ही कहा कि मैं वहां होकर आया हूं, तो उन्होंने कहा कि क्या घंटा होकर आए हो। इस निम्नस्तरीय भाषा पर अनुराग द्वारी ने कैलाश विजयवर्गीय को सीधे–सीधे भाषा की तमीज का पाठ पढ़ा दिया और कहा कि वो अपना काम कर रहे हैं, हालांकि इसके बाद भी श्री विजयवर्गीय के साथ के लोगों ने अनुराग द्वारी को ही रोकने की कोशिश की कि हमारे नेता हैं, उनसे ऐसी बात नहीं की जा सकती।दरअसल मोदी–शाह के युग की भाजपा के कई नेताओं को यह खुशफहमी है कि उनसे सवाल नहीं किया जा सकता, या उनकी सरकार की खामियों पर टोका नहीं जा सकता। पूर्व सांसद स्मृति ईरानी ने अमेठी में एक पत्रकार को डपटते हुए कहा था कि मैं आपके मालिक से बात करूंगी। ये सीधे–सीधे पत्रकार को धमकी ही थी और इसमें जितनी गलती नेता की है, उतनी ही गलती उन मीडिया मालिकान की भी है, जो सत्ता से नजदीकी बढ़ाकर अपने लिए वित्तीय, सियासी या अन्य किस्मों के लाभ लेते हैं और बदले में आदर्शों को गिरवी रख देते हैं। मीडिया घरानों ने जिस तरह सत्ता के चरणों में खुद को झुका दिया है, उसी का नतीजा है कि अब पत्रकारों के सवालों का जवाब देना तो दूर उनसे शिष्टाचार से बातें भी नहीं की जातीं। अभी दो दिन पहले प.बंगाल में केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक पत्रकार से कहा कि तुम बंगाल की चिंता करो।

, हमारी पार्टी की चिंता मत करो। जबकि उन पत्रकार ने केवल यही पूछा था कि 75 साल में मार्गदर्शक मंडल में भेजने का नियम अभी के नेताओं पर भी लागू होगा। पत्रकार ने इशारों में नरेन्द्र मोदी के रिटायरमेंट की बात छेड़ी थी, जिस पर अमित शाह बिफर पड़े। वे चाहते तो सीधे–सीधे इसका जवाब दे सकते थे। लेकिन सत्ता की हनक ही इतनी है कि वे हर किसी को अपने से निम्नतर समझने लगे हैं। पत्रकार उनकी पार्टी का कार्यकर्ता नहीं है कि उससे तुम कहकर बात की जाए, लेकिन अमित शाह और कैलाश विजयवर्गीय दोनों ने यही किया।

चांदी के बाजार में चीन का नया खेल

रजनीश कपूर

दुनिया के चांदी बाजार में इस समय जो उथल–पुथल दिख रही है, उसमें चीन की नीतियां निर्णायक भूमिका निभा रही हैं और यही स्थिति वैश्विक निवेशकों के लिए गंभीर चेतावनी बन गई है। यह केवल सामान्य उतार–चढ़ाव नहीं, बल्कि आपूर्ति, स्टॉकपाइल और निर्यात नियंत्रण के जरिए कीमतों व भावनाओं को प्रभावित करने का जटिल खेल है। 2025 में चीन ने चांदी पर राज्य–नियंत्रित निर्यात लाइसेंसिंग सिस्टम लागू किया, यानी बिना सरकारी मंजूरी के कोई कंपनी चांदी बाहर नहीं भेज सकती। शुरुआत में यह कदम 'घरेलू उद्योग की सुरक्षा' और 'संसाधन–संरक्षण' के नाम पर उठाया गया लेकिन इसका तात्कालिक असर वैश्विक बाजार में आपूर्ति–संकट और तेजी से बढ़ती कीमतों के रूप में दिखा। इसी साल अक्तूबर में चीन ने अचानक रिकॉर्ड 660 टन चांदी एक महीने में निर्यात कर दी, जो इतिहास में सबसे बड़ा मासिक आंकड़ा माना जा रहा है। यह कदम पहले लगाए गए निर्यात नियंत्रणों से उलट था और इसे एक घबराए हुए बाजार को शांत करने तथा वैश्विक कीमतों की दिशा तय करने की कोशिश के रूप में देखा गया। शंघाई फ्यूचर्स एक्सचेंज के आंकड़े दिखाते हैं कि 2021 के आसपास लगभग 3,900–5,000 टन तक पहुंचा चीन का चांदी स्टॉक 2025 के अंत तक गिरकर लगभग 700–800 टन के आसपास ही रह गया। यानी 80–85 प्रतिशत तक की गिरावट। जब दुनिया

की सबसे बड़ी औद्योगिक खपत वाली अर्थव्यवस्था के गोदाम इस तरह खाली होने लगते हैं और साथ ही निर्यात नीति बार–बार बदली जाती है, तो बाजार में 'वास्तविक कमी' और 'संचालित कमी' के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है। अनुमान है कि 2024 में चीन ने लगभग 3,300 टन चांदी का उत्पादन किया, जबकि घरेलू खपत 19,000 टन के आसपास पहुंच गई, यानी लगभग 15,700 टन का वाषिक घाटा। यह संरचनात्मक घाटा और घटते स्टॉकपाइल चीन को नीति के जरिए अंतर्राष्ट्रीय कीमतों और सप्लाई–चेन पर अतिरिक्त दबाव बनाने का मौका देता है। यह पहली बार नहीं है जब चीन किसी महत्वपूर्ण खनिज या धातु की आपूर्ति को भू–राजनीतिक (जियोपॉलिटिक्स) या आध्यक हथियार की तरह इस्तेमाल किया हो। दुर्लभ धातुओं में 2008–2010 के बीच चीन ने निर्यात पर कोटा और पाबंदियां लगाकर कीमतों को आसमान पर पहुंचा दिया और जापान के साथ विवाद के दौरान सप्लाई रोक कर अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने की कोशिश की थी। कमोडिटी बाजारों में 'कोर्नरिंग' या 'मैनिपुलेशन' की कोशिशों का इतिहास बेहद कड़वा रहा है। 1979–80 में हंट ब्रदर्स ने भारी मात्रा में फ्यूचर्स और भौतिक चांदी खरीदकर दुनिया की एक–तिहाई चांदी पर नियंत्रण करने की कोशिश की, जिससे कीमतें लगभग 6 डॉलर से बढ़कर 50 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गईं। जैसे ही नियामकों ने पोजीशन लिमिट कड़ी की और मार्जन बढ़ाए, बाजार ध्वस्त हुआ, 'सिल्वर थर्सडे' के नाम से मशहूर क्रैश में कुछ ही दिनों में कीमत आधे से भी कम पर आ गई और लाखों निवेशक बर्बाद हुए। इसी तरह, दुर्लभ धातुओं के बाजार में चीन की 2010 की पाबंदियों ने वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को झटका दिया, उनकी लागत अचानक बढ़ गई और निवेश निर्णयों में भारी अनिश्चितता पैदा हुई। ये उदाहरण बताते हैं कि जब भी कोई सरकार या शक्तिशाली समूह किसी कमोडिटी को नियंत्रित करने की हद तक अपने हाथ में लेने लगता है, तो शुरुआती दौर में कीमतें ऊंची होकर 'लाभ' का भ्रम पैदा करती हैं लेकिन अंततरू परिणाम क्रैश और अव्यवस्था के रूप में सामने आते हैं।

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

मन में है विश्वास तो, लक्ष्य मिले आसान।
धीरज जिसके पास में, सह लेता तूफान।।
सह लेता तूफान, भरोसा प्रभु पर रखता।
संघर्षों को झेल, विषैला रस भी चखता।।
रचना विषधर पास, महक कब छोड़े चंदन।
मिल जाएगा लक्ष्य, नहीं भटके यदि यह मन।।

धोखा अपनों से मिले, टूटे तब विश्वास।
रिश्तो में दूरी बढ़े, रहती कहाँ मिठास।।
रहती कहाँ मिठास, दिनो - दिन कटुता बढ़ती।
बदले शिष्टाचार, उष्णता मन में चढ़ती।।
कहती रचना आज, आचरण रखना चोखा।
अपने हो या गैर, किसी को दे मत धोखा।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

म्यांमार सैन्य शासन का सशस्त्र विद्रोहियों को राजनीतिक

सेठ जी जोन्स

चीन और रूस अपना सहयोग बढ़ा रहे हैं और आक्रामक कदम उठा रहे हैं, जिनके अमरीका के लिए गंभीर परिणाम हो रहे हैं। 9 दिसम्बर को, चीनी और रूसी बमवर्षक विमानों ने अन्य विमानों ने जापान और दक्षिण कोरिया के निकट उड़ान भरी, जिससे अमरीका और जापान को लड़ाकू विमानों और बमवर्षक विमानों को तैनात करने के लिए मजबूर होना पड़ा। यह घटना चीन–रूस गठजोड़ के और अधिक मजबूत होने का नवीनतम उदाहरण है। बीजिंग और मॉस्को अमरीका को अपना सबसे बड़ा दुश्मन मानते हैं और अमरीका और उसके सहयोगियों की कीमत पर अपनी शक्ति का विस्तार करना चाहते हैं। शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन ने बार–बार कहा है कि उनकी सांझेदारी की कोई सीमा नहीं है और वे 40 से अधिक बार आमने–सामने मिल चुके हैं। फरवरी 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण के बाद से, चीन ने रूस को 'उच्च प्राथमिकता वाली वस्तुओं' का निर्यात बढ़ा दिया है, जिनमें 50 दोहरे उपयोग वाली वस्तुएं शामिल हैं, जैसे कम्प्यूटर चिप्स, मशीन टूल्स, राडार और सैंसर, जिनकी रूस को युद्ध जारी रखने के लिए आवश्यकता है। चीन के निर्यात ने रूस को 2023 से 2024 तक इस्कंदर–एम बैलिस्टिक मिसाइलों का उत्पादन 3 गुना बढ़ाने में मदद की, जिनका उपयोग रूस ने यूक्रेनी शहरों पर बमबारी करने के लिए किया है। 2024 में, रूस द्वारा आयात किए गए अमोनियम परक्लोरेट का 70 प्रतिशत हिस्सा चीन का था, जो बैलिस्टिक मिसाइल ईंधन का एक आवश्यक घटक है। चीन ने रूस को ड्रोन बॉडी, लिथियम बैटरी और फाइबर–ऑप्टिक केबल प्रदान किए हैं, जो यूक्रेन में इस्तेमाल किए जाने वाले फाइबर–ऑप्टिक ड्रोन के लिए महत्वपूर्ण घटक हैं, जो इलैक्ट्रॉनिक जैमिंग को बाईपास कर सकते हैं। इस सहयोग से चीन को लाभ हो रहा है। रूस ने उन्नत प्रणोदन प्रणाली उपलब्ध कराकर चीन की अगली पीढ़ी की टाइप 096 परमाणु–संचालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी के विकास में संभवतः सहायता की है। लीक हुए दस्तावेजों से संकेत मिलता है कि रूस ने ताइवान पर आक्रमण में इस्तेमाल किए जा सकने वाले उपकरण, जैसे हल्के उभयचर वाहन, स्वचालित एंटी–टैंक तोपें, हवाई बख्तरबंद कार्मिक वाहक और हवाई मार्ग से पैराशूट गिराने के लिए विशेष प्रयोजन वाली प्रणालियां चीन को बेचने पर सहमति जताई थी। 2017 और 2024 के बीच, उन्होंने एशिया, यूरोप, मध्य पूर्व, आर्कटिक और अफ्रीका सहित एक विस्तृत क्षेत्र में लगभग 100 संयुक्त सैन्य अभ्यासआयोजित किए हैं। इन देशों ने कई प्रशिक्षण मिशन भी आयोजित किए हैं, जिनमें 2019 और 2024 के बीच 8 संयुक्त बमवर्षक उड़ानें शामिल हैं।

सिर्फ़ यादें रह गईं

धारावाहिक लघु उपन्यास

(भाग –17)

लेखिका –अतिया नूर

उस समय शेखर भी कहां समझ सके थे कि वे समीर को किस मुसीबत में झोंक रहे हैं। इतना तो मैं भी समझती हूं कि – शेखर जो कुछ भी कह या कर रहे थे वह उनका गुस्सा था। वह एक पिता थे, सख़्त थे लेकिन अपने बच्चों का बुरा कभी नहीं चाहने वाले थे, लेकिन यह भी सच है कि उन्होंने गुस्से में आकर अगर समीर को इतने पैसे दिए तो बहुत ही ग़लत किया। समीर तो पहले ही कुएं में गिर चुका था, उसके हाथ में इतना पैसा देना उसे खाई में धकेलने जैसा ही था...।

समीर पैसे लेकर घर से बाहर चला गया, फिर वह दिन भर गायब रहा। देर रात जब वह घर लौटा तो उसके हाथ में एक बड़ा बैग था, जिसमें कुछ सस्ते किस्म के मोबाइल सेट थे। बहुत ही सस्ते, सभी मोबाइल बहुत ही ख़राब क्वालिटी के थे। मगर समीर बहुत खुश था, वह मुझे ख़ुशी – ख़ुशी अपने लए मोबाइल सेट दिखाने लगा, और बताने लगा कि – मां ! मैं मोबाइल की शॉप खोलने वाला हूं। मैं भी उसकी ख़ुशी में शामिल हो गई। मैंने प्यार से उसके गालों को थपथपा कर कहा कि – अच्छा है, ईश्वर तुम्हें बहुत सफलता प्रदान करे, तुम्हारी सब परेशानियां दूर हो जाएं, आदि – आदि।

समीर को मैंने सांत्वना तो दे दी मगर मन ही मन सोचती रही कि – जो मोबाइल समीर लाया है वह तो बीस हज़ार से ज्यादा के नहीं होंगे, शेखर ने भी मुझसे यही कहा । आख़िर समीर के बाक़ी पैसे कहां चले गए?

उस समय हम दोनों यह बात केवल सोच कर रह गए, समीर फिर न बिगड़ जाए इस डर से उससे कुछ नहीं पूछ सके। अब लगता है कि – काश ! हमने बिना डरे उससे पूछा होता... ।काश! काश! और बस काश!

समीर अपने एक दोस्त की मोबाइल शॉप पर बैठने लगा था। हालांकि समीर का वह दोस्त मुझे कभी पसंद नहीं था। समीर से दुगनी उम्र का वह दोस्त प्रकाश मुझे हमेशा से संदिग्ध लगता था। मुझे हमेशा इस बड़ी बड़ी मूंछ, बिखरे, उजड़े बालों और अपराधी नज़र आने वाले इंसान के साथ समीर का रहना अखरता था। उसका साथ छुड़ाने की हमने बहुत कोशिश भी की थी, मगर शायद समीर और हमारे भाग्य में ठोकरें खाना लिखा था, सो समीर को हर क़दम पर ऐसे ही लोगों का साथ मिलता गया, समीर के साथ हमें भी ठोकर पर ठोकर लगती गई।

उस अपराधी प्रवृत्ति के प्रकाश ने समीर को अपनी दुकान पर यूंही पनाह नहीं दी थी बल्कि मेरे भोले – भाले बच्चे के पैसे ऐंठने के लिए उसको दर्द के एक गहरे समुंदर में ढकेलना शुरू कर दिया था। जिसका पता हमें बहुत देर में चला।

समीर को जीने की बेहद चाह थी, मैंने समीर में नेहा को अपनाने की तड़प देखी थी। वह अपने पैरों पर जल्द से जल्द खड़ा होना चाहता था। वह बहुत पैसे कमाना, और एक सफल व्यापारी बनना चाहता था। उसकी आंखों में ऐसी चमक थी,जैसे वह सारे आकाश को अपनी मुट्ठी में कर लेना चाहता हो। मैं उसमें आए बदलाव को देख भी रही थी। शायद यह नेहा के प्रेम का असर था, जो समीर को सही रास्ते पर लाना चाहता था लेकिन भाग्य का लिखा तब किसे मालूम था। उस भोले से बच्चे को लगने लगा था कि उसके जीवन में अब सब कुछ ठीक हो जाएगा, वह बहुत सारा पैसा कमाएगा, बहुत जल्दी सब कुछ हासिल कर लेगा, क्योंकि नेहा एक बड़े घर की बेटी थी,नेहा को पाने के लिए समीर का धनवान होना ज़रूरी था, समीर ने कोशिशें भी शुरू कर दी थीं लेकिन नियति का खेला किसे पता होता है। निःसंदेह बिजनेस कोई बच्चों का खेल भी नहीं, दो दिन में किसी को कुछ कहां हासिल हुआ है और फिर जिसके साथ भाग्य अठखेलियां कर रहा हो, भला उसके क़दमों में मंज़िल फ़ौरन आती भी कैसे?

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

स्किपिंग रोप एक्सरसाइज करते समय इन गलतियों से बचना है जरूरी, वरना सेहत को हो सकता है नुकसान

हर व्यक्ति अपनी पसंद के हिसाब से फिटनेस रूटीन फॉलो करता है। किसी को योग करना पसंद होता है तो कोई कार्डियो करता है। लेकिन आपको बता दें कि स्कपिंग रोप या रस्सी कूदना एक ऐसा वर्कआउट है। जो लगभग हर किसी को पसंद आता है।

फिटनेस फ्रीक लोग फिट रहने के लिए तरह–तरह की एक्सरसाइज करते हैं। आमतौर पर लोगों को ऐसी फिटनेस रूटीन फॉलो किए जाने की सलाह दी जाती है। जिसे फॉलो करने में खुद को भी मजा आए। हांलाकि हर व्यक्ति अपनी पसंद के हिसाब से फिटनेस रूटीन फॉलो करता है। किसी को योग करना पसंद होता है तो कोई कार्डियो करता है। लेकिन आपको बता दें कि स्कपिंग रोप या रस्सी कूदना एक ऐसा वर्कआउट है। जो लगभग हर किसी को पसंद आता है। हम सभी लोगों में से कई लोग ऐसे हैं, जो बचपन में रस्सी कूदा करते थे। हांलाकि बचपन का यह खेल फिटनेस का एक हिस्सा है। यह खुद को फिट रखने का एक अच्छा तरीका है। भले ही रस्सी कूदना एक अच्छी एक्सरसाइज है, लेकिन इसे सही तरीके के करना काफी जरूरी होता है। लोग रस्सी कूदने के लिए दौरान काफी छोटी–छोटी गलतियां करते हैं। ऐसे में इन गलतियों को करने से बचना चाहिए। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि रस्सी कूदने के दौरान किन गलतियों को करने से बचना चाहिए।

अधिक हाथ हिलाना

ज्यादातर लोग रस्सी कूदने के दौरान हाथों को ज्यादा हिलाते हैं। खासतौर पर बिगनर रस्सी कूदने के दौरान अपने हाथों, कोहनी या कंधे को अधिक मूव कर सकते हैं। लेकिन बता दें कि यह अप्रभावी होने के साथ ही थका देने वाला है। इसलिए प्रयास करें कि आइने के सामने खड़े होकर रस्सी कूदें, जिससे आपको अपने शरीर की मूवमेंट को मॉनीटर करने का मौका मिले। इससे आप आसानी से बॉडी मूवमेंट को मॉनिटर कर पाएंगे। रस्सी कूदने के दौरान आपके आर्म्स स्थित होने चाहिए। वहीं कलाइयों से ज्यादा मूवमेंट होनी चाहिए।

अधिक ऊंचा कूदना

बहुत से लोग ज्यादा ऊंचा कूदते हैं, अमूमन यह लगती सभी लोग करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ऐसा करना बिलकुल भी सही नहीं माना जाता है। क्योंकि जब आप ज्यादा ऊंचा कूदते हैं, तो आपके बार–बार अटकने की संभावना होती है। साथ ही आपके पैरों पर भी अधिक जोर पड़ता है और आप जल्दी थक जाते हैं। इसलिए रस्सी कूदने के दौरान आपको जमीन से सिर्फ 1–2 इंच ऊपर ही कूदना चाहिए। ऊंचाई आपके घुटनों तक नहीं आनी चाहिए।

वार्मअप ना करना

किसी भी वर्कआउट को करने से पहले वार्मअप किया जाना बेहद जरूरी होता है। इसलिए रस्सी कूदने के दौरान भी इस बात का खास ख्याल रखना चाहिए। क्योंकि कुछ लोग समय बचाने के चक्कर में अच्छे से वार्मअप नहीं करते हैं। वहीं सही तरह से वार्मअप नहीं किए जाने पर रस्सी कूदने से आपको चोट लगने की अधिक संभावना होती है। इसलिए इसे करने से पहले आपको जॉगिंग या फिर जंपिंग जैक आदि कुछ मिनट के लिए करना चाहिए।

एडवांस मूव्स

आपको बता दें कि स्किपिंग रोप एक्सरसाइज में भी कई वैरिएशन होते हैं। लेकिन प्रैक्टिस और लेवल को ध्यान में रखते हुए यह वैरिएशन किए जा सकते हैं। लेकिन कई बिगनर दूसरों की देखा–देखी में क्रॉसओवर या डबल अंडर मूव्स करने लगते हैं। लेकिन बिगनर होने पर इन मूव्स को करने से आपको चोट लगने का अधिक खतरा होता है। इसलिए इन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए।

बच्चों का खून बढ़ाएगा अनार, खिलाने से मिलेंगे ढेरों फायदे

सेहत के लिए अनार बेहद लाभकारी माना जाता है, यह कई सारे पॉवरहाउस का न्यूट्रिएंट्स होता है। बड़ों से लेकर बच्चों तक सबके लिए यह बहुत ही फायदेमें साबित होता है। कई सारे हेल्थ एक्सपर्ट्स सलाह देते हैं कि हर पेरेंट्स को अपनी बच्चों की डाइट में अनार को जरुर शामिल करना चाहिए। यह कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं को दूर करने में मदद करता है लेकिन पेरेंट्स के मन में एक सवाल रहता है कि क्या बच्चों को सर्दियों में अनार देना चाहिए। ऐसे में इस जवाब में हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि आप बच्चों को सर्दियों में अनार दे सकते हैं। सर्दियों में इसे बच्चों को खिलाने के कई सारे फायदे होंगे। आइए जानते हैं...

बच्चों में बढ़ेगा खून

अनार बच्चों के स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी साबित होता है। एक्सपर्ट्स की मानें तो यदि कोई व्यक्ति 3–4 दिन तक लगातार अनार का जूस पीता है तो उसके शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम होता है। वहीं यदि किसी के शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी हो तो वह भी अनार का जूस पीने से कम होती है। अनार का जूस पीने से खून भी तेजी से बढ़ता है।

बुखार में मिलेगा आराम

बदलते मौसम में बच्चे बहुत जल्दी सर्दी, जुकाम और खांसी जैसी समस्याओं का शिकार होते हैं। वहीं अनार में कई सारे न्यूट्रिएंट्स पाए जाते हैं जो बुखार से रिकवरी में मदद करते हैं। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स भी पाए जाते हैं जो बुखार में बेहद मददगार माने जाते हैं। बच्चों को अनार का जूस, या फिर फलों का जूस आप चाहें तो दे सकते हैं। हालांकि यदि आपके बच्चों को शुगर लेवल संतुलित नहीं रहता तो उन्हें अनार का जूस न दें।

इम्यूनिटी बनेगी मजबूत

इसमें कई तरह के विटामिन्स पाए जाते हैं। मुख्यतौर पर अनार विटामिन–बी का अच्छा स्त्रोत होता है। विटामिन–बी ब्रेन के फंक्शन को बेहतर करने में मदद करता है और उनकी शारीरिक ग्रोथ में मदद करता है। इसके अलावा अनार में फोलेट भी मौजूद होते है जो बॉडी के नए सेल्स बनाने में मदद करता है। ऐसे में यदि आप बच्चों को अनार खाने के लिए देते हैं तो उनकी इम्यूनिटी मजबूत बनती है और बीमारियों का खतरा भी कम होता है।

ओरल हेल्थ रहेगी अच्छी

इसमें कई सारी एंटीवायरल और एंटीबैक्टीरियल प्रॉपर्टीज पाई जाती हैं। यह प्रॉपर्टी ओरल हेल्थ सुधारने में मदद करती है। वैसे तो बच्चे काफी ज्यादा मीठा और चॉकलेट खाते हैं जहां तक कि वह अपने दांतों की अच्छे से केयर भी नहीं करते। ऐसे में बच्चों को अक्सर दांतों से जुड़ी समस्याएं होने लगती हैं। यदि आप बच्चों को सीमित मात्रा में अनार खाने के लिए तो इससे उनमें ओरल हेल्थ से जुड़ी रही समस्याओं का रिस्क काफी कम होता है।

पाचन रहेगा स्वस्थ

सर्दी के मौसम में अक्सर कई बार बच्चे ओवरईटिंग कर लेते हैं जिसके चलते उन्हें पेट में दर्द और पाचन से जुड़ी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में आप बच्चों को अनार खिलाएं। यह उनके स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी साबित हो सकता है।

किस उम्र में दे बच्चों को अनार?

एक्सपर्ट्स की मानें तो आप बच्चों को 6 महीने के बाद अनार खिला सकते हैं लेकिन इस दौरान यह ध्यान रखें कि इसके बीज बच्चे के गले में न फंसे।

विटामिन डी का बेस्ट सोर्स है मशरूम, धूप नहीं ले पा रहे तो ये चीजें जरूर खाएं

सर्दियों के मौसम में हड्डियों और जोड़ों में दर्द की समस्या बढ़ जाती है। खासतौर पर यदि शरीर में विटामिन–डी की कमी हो जाए तो परेशानी और भी बढ़ सकती है। विटामिन–डी की कमी का सबसे अच्छा सोर्स वैसे तो धूप मानी जाती है परंतु कुछ लोग धूप नहीं ले पाते। ऐसे में आप अपनी डाइट में कुछ विटामिन–डी से युक्त फूड्स शामिल करके भी इस विटामिन की कमी पूरी कर सकते हैं। आइए जानते हैं...

विटामिन–डी की कमी से होने वाली बीमारियां

शरीर में विटामिन–डी की कमी होने पर हड्डियों में दर्द की समस्या बढ़ जाती है। विटामिन–डी की कमी होने पर दिनभर थकान और कमजोरी भी महसूस होती है और इससे इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है। इम्यूनिटी कमजोर होने के कारण शरीर बीमारियों से घिरने ल गता है। हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाने के लिए भी यह विटामिन जरुरी है जो लोग जल्दी बीमार होते हैं उनके शरीर में इस विटामिन–डी की कमी हो सकती है। ऐसे में आप इस विटामिन–डी से युक्त फूड्स आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

मशरुम

कुछ सब्जियों में भी विटामिन–डी मौजूद होता है। ऐसे में आप मशरुम को अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

मशरुम में कई सारे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो शरीर में विटामिन–डी की कमी पूरी करते हैं। इसे अपनी डाइट में शामिल करके आप विटामिन–डी की कमी शरीर में से पूरी कर सकते हैं।

अंडा

इन दिनों में रोजाना एक अंडा खाकर भी आप अपनी बॉडी को फिट बना सकते हैं। यह पोषक तत्वों का भंडार माना जाता है। इसकी जर्दी में विटामिन–डी मौजूद होता है जो शरीर में से विटामिन–डी की कमी पूरी करता है। अंडा खाने से शरीर को जरुर प्रोटीन और विटामिन्स भी मिलते हैं।

संतरा

सर्दियों में संतरा काफी मिलता है। रोजाना एक संतरा खाने से शरीर को विटामिन–सी और विटामिन–डी भी मिलता है। इसमें विटामिन–डी काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है, रोजाना ऑरेंज जूस या फिर 1–2 संतरा आप खा सकते हैं।

गाय का दूध

इसमें भी विटामिन–डी पाया जाता है। गाय के दूध के भी और कई फायदे है लेकिन रोजाना 1 गिलास गाय का दूध पीने से आप शरीर में से विटामिन–डी की कमी को पूरी कर सकते हैं।

दही

सर्दियों में दही खाने से कई लोग परहेज करते हैं लेकिन यदि आप फ्रेश दही खाते हैं तो शरीर को कोई नुकसान नहीं होगा। इसका सेवन करने से भी विटामिन–डी की कमी पूरी होती है। इसके अलावा यह पेट के लिए भी बेहद लाभकारी होता है।

कंफर्टेबल और स्टाइलिश लुक पाने के लिए जींस के साथ पेयर करें ये कुर्ती, हर कोई करेगा तारीफ

लड़कियों को ही नहीं बल्कि लड़कों को भी एथनिक वियर पहनना काफी पसंद होता है। वहीं लड़कियां अपने एथनिक वियर के कलेक्शन में नए ट्रेंड की कुर्तियां जरूर शामिल करती हैं। लड़कियों के वार्डरोब में कई अलग–अलग डिजाइन के कपड़े मिल जाते हैं। वहीं मार्केट में भी आपको अलग–अलग फैब्रिक, डिजाइन और कलर के कपड़े मिलते हैं। वहीं सर्दियों का मौसम शुरू होते ही लड़कियां अपने लिए गर्म कुर्ती खोज रही होंगी। ऐसे में अगर आप भी सर्दियों में गर्म कुर्तियां लेने की सोच रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज हम आपको कुछ डिजाइनर वूलेन कुर्तियों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको पहनने पर आप कंफर्टेबल फील करेंगी। साथ ही इन कुर्तियों को आप जींस के साथ भी पहन सकती हैं। इसके अलावा बाहर आउटिंग और ऑफिस आदि में भी यह कुर्तियां पहनकर जा सकती हैं।

फ्लोरल प्रिंट वूलन कुर्ती

सर्दियों में ज्यादा कपड़े पहनने से बेहतर है कि आप गर्म कुर्ती स्टाइल करें। इसमें आपको कई अच्छे–अच्छे डिजाइन मिल जाएंगे। साथ ही इनको पहनना काफी कंफर्टेबल होगा। आप अपनी पसंद के हिसाब से बड़े या छोटे फ्लोरल प्रिंट की डिजाइन वाली कुर्तियां ले सकती हैं। इनको आप जींस, बेली या फिर स्नीकर्स के साथ भी कैरी कर सकती हैं। फ्लोरल प्रिंट डिजाइन वाली कुर्ती आपको बाजार में 500 से 1000 रुपए तक में आसानी से मिल जाएगी।

ब्लॉक प्रिंट वूलन कुर्ती

इसके अलावा आप सर्दियों में ब्लॉक प्रिंट वूलन कुर्ती भी कैरी कर सकती हैं। इसमें भी आपको बड़ा व छोटा दोनों तरह का प्रिंट मिल जाएगा। अगर आप चाहें तो सर्दियों के लिए फुल स्लीव्स वाली कुर्ती ले सकती हैं। इसमें आपको कई कलर वैरायटी भी मिल जाएगी। ब्लॉक प्रिंट वूलन कुर्ती को आप जींस के साथ भी पेयर कर सकती हैं। बाजार में आपको 500 से 2000 रुपए तक ऐसी कुर्ती आसानी से मिल जाएगी।

कश्मीरी वर्क वूलन कुर्ती

सर्दियों के मौसम में कश्मीरी वर्क वाली वूलेन कुर्ती काफी ट्रेंड में हैं। इस तरह की कुर्ती में नेक पर एम्ब्राइडरी और बाजू पर एम्ब्रॉयडरी मिलता है। हांलाकि देखने में इन कुर्ती की डिजाइन काफी सिंपल होती है। लेकिन यह पहनने में कंफर्टेबल होने के साथ गर्म भी होती हैं। ऐसे में आप सर्दियों में स्टाइलिश दिखने के लिए इस तरह की कुर्ती को भी अपने वार्डरोब में शामिल कर सकती हैं। 1000 से 2000 रुपए तक में आपको मार्केट में आसानी से यह कुर्ती मिल जाएंगी।

नागिन-7 में नजर आएंगी ईशा सिंह

मुझे सपनों से ज्यादा मिला, लोगों की बातों से फर्क नहीं पड़ता, मैंने अपना दायरा सेट किया

टीवी एक्ट्रेस ईशा सिंह की श्नागिन 7श कलर्स चौनल पर शुरू होने जा रहा है। बिग बॉस 18 से निकलकर नागिन फ्रैंचाइजी में एंट्री करने वाली ईशा सिंह ने दैनिक भास्कर से बातचीत के दौरान अपनी जर्नी, फैमिली सपोर्ट, प्रियंका और नमिक जैसे को–स्टार्स से बॉन्डिंग, मुंबई–भोपाल के फर्क और नेगेटिविटी से दूर रहने की सीख शेयर कीं। पेश है बातचीत के कुछ प्रमुख अंश.. सवालरू नागिन इतनी बड़ी फ्रेंचाइजी है। बिग बॉस 18 में रहते हुए ही इसकी बात पता चल गई थी। उस वक्त तो बता नहीं सकती थीं। पहली बार जब पता चला, तो क्या फीलिंग हुई? जवाबरू कलर्स मेरे लिए घर जैसा है। इतना बड़ा फ्रेंचाइजी, ऊपर से एकता मैम का शो और बालाजी टेलीफिल्म्स,सब कुछ परफेक्ट। ऑफर आया तो सोचा क्यों न ट्राई करें, कैरेक्टर बिल्कुल अलग था। नागिन शूटिंग ने नए मौके खोले। सवालरू फैंस सोच रहे हैं कि आप खतरों के खिलाड़ी करेंगी? जवाबरू पिछले साल खतरों के खिलाड़ी में बहुत बुरा अनुभव हुआ था। अभी कोई प्लान नहीं है, लेकिन कभी–कभी श्नेवरश कहकर भी कर लिया जाता है। बिग बॉस से पहले भी मैंने मना किया था, लेकिन कर लिया। हो सकता है अगले साल सांप–बिच्छू वाले स्टंट्स कर रही हूं।सवालरू बहुत शानदार शुरुआत हुई है। प्रियंका भी बिग बॉस में रह चुकी हैं, नामिक पॉल भी हैं, ये कमाल के कलाकार हैं। इनके साथ आपकी बॉन्डिंग कैसी रही? शूटिंग का आपका अनुभव कैसा रहा?जवाबरू बहुत अच्छा रहा। सिर्फ ये दो नहीं, बाकी सारे कलाकार भी बहुत अच्छे लोग थे। प्रियंका तो मेरी बहन जैसी लगने लगी है, शो में भी सिस्टर–सिस्टर का बॉन्ड है और ऑफ–स्क्रीन भी। वो फैमिली जैसी हैं, बहुत खूबसूरत इंसान हैं, प्यारी लड़की। हम दोनों बहुत अटैच्ड हैं। इस शो से मुझे कई अच्छे दोस्त मिले, और नागिन 7 में प्रियंका जैसी सच्ची दोस्त मिलने के लिए हमेशा शुक्रगुजार रहूंगी। सवालरू आप कमाल लग रही हैं। प्रियंका का लुक भी शानदार है, क्योंकि उन्हें डबल रोल निभाना है। पेरेंट्स, भाई और रुद्राक्ष का रिएक्शन कैसा रहा?ध जवाबरू अभी उनका रिएक्शन देखना बाकी है। मैंने सिर्फ फर्स्ट एपिसोड की कुछ क्लिप्स देखी हैं, लेकिन वो लोग देख चुके हैं। इंतजार कर रही हूं कि उन्हें कैसा लगा। रुद्राक्ष तो हमेशा मेरा मजाक उड़ाता है, बिग बॉस में भी उड़ाया था। लेकिन वो बहुत सपोर्टिव है और ऑनेस्ट फीडबैक देता है। कैसी लग रही हो, वैसी लग रही हो। उसका रिएक्शन बहुत मायने रखता है। सवालरू भोपाल जैसे शहर से इतनी कम उम्र में मुंबई आकर इतना कुछ हासिल किया। अपनी जर्नी को कैसे देखती हो? क्या सीख मिली?ध जवाबरू मैंने बहुत कुछ सीखा और कुछ पुरानी आदतें भी छोड़ीं। इस सफर ने मुझे मजबूत और आत्मविश्वासी बनाया। अब लोगों की परवाह कम करती हूं, सिर्फ अच्छी बातें लेती हूं।ध 16 साल की वो लड़की आज 27 की लगती ही नहीं। परिवार, खासकर मां, ने मुझे जमीन से जुड़ा रखा। दूसरे शहर में बसना भी बहुत सिखाता है। सवालरू भोपाल को बहुत शांत, सुंदर और सुस्त शहर कहा जाता है। झीलों का शहर है वो। जबकि मुंबई तेज रफ्तार वाली जगह है, जहां सब कहीं न कहीं दौड़ते फिरते हैं। आपको दोनों शहरों में क्या फर्क लगता है? जवाबरू भोपाल में बहुत सुकून और शांति है। मुंबई मेरी कर्मभूमि है। मैं यहां सालों से रह रही हूं, इसलिए इस शहर से मुझे बहुत प्यार हो गया है। कहते हैं न, मुंबई को अपनाओ तो वो भी आपको अपना लेती है। मुझे लगता है, मैंने शहर को अपनाया और शहर ने मुझे उतना ही प्यार दिया। मैं बहुत शुक्रगुजार हूं कि मेरा यहां एक घर है। अब मैं इसे अपना शहर कहती हूं। सवालरूएक दशक इंडस्ट्री में इतना दिया और हासिल किया। पेरेंट्स व बाकी लोग क्या सोचते होंगे? 10 साल पहले आपको देखकर उनकी आंखों में नमी और चमक आ जाती होगी ना?ध जवाबरू बहुत अच्छा लगता है। यह सब मां–बाप की वजह से ही हुआ। मैंने मेहनत बहुत की, लेकिन फैमिली ही आपको सही रास्ते पर रखती है और फोकस बनाए रखती है। मेरे मां–बाप मेरे लिए सबकुछ हैं। सवालरू बिग बॉस से भी बहुत कुछ सीखा होगा आपने? जवाबरू हां, बहुत कुछ सीखा। उस शो ने 3 महीनों में जितना सिखाया, वैसा शायद कहीं और न मिले। वहां सिचुएशन, लोगों और स्ट्रेस को मैनेज करना सीख जाते हो। बाहर आते वक्त इतना कॉन्फिडेंट हो जाते हो कि एक शील्ड लग जाती है। अब फर्क नहीं पड़ता। पहले जो चीजें अफेक्ट करती थीं, रुलाती थीं, अब वो कुछ नहीं करतीं। सवालरू दुनिया कुछ भी बोले, आप अपना पॉइज कैसे मेंटेन रख पाते हो? जवाबरू अगर लोगों की बातों का फर्क पड़ने दूं, तो पागल हो जाऊंगी। हर फील्ड में बुराई करने वाले ज्यादा हैं, जो आपको नीचे खींचने को तैयार रहते हैं। इसलिए अपनी बॉउंड्री सेट करो,इतना ही सुनूंगी, बाकी काट दो। अब लोगों की नेगेटिविटी मुझसे दूर रहती है, मैं अपने में खुश हूं।ध सवालरू वीकेंड पर आपके दो शोज बैक–टू–बैक आ रहे हैं। श्लाफ्टर शेफ्सश तो कमाल चल रहा है, और श्नागिनश की जोड़ी भी। ये एक्सपीरियंस कैसा रहा? कभी सोचा था कि प्राइम टाइम पर ऐसा होगा?ध जवाबरू भगवान ने सपनों से कहीं ज्यादा दिया है। इसके लिए हमेशा आभारी हूं। श्लाफ्टर शेफ्सश को इतना प्यार मिला, श्नागिनश को भी मिलेगा। शनिवार–रविवार 8 से 9 बजे श्नागिनश में मिलूंगी, 9 से 10 बजे श्लास्ट शेफ्सश में।सवालरू आपकी लॉयल्टी कमाल की है, पुराने को–स्टार्स के साथ बार–बार काम करते रहते हो?ध जवाबरू अविनाश के साथ मेरी जोड़ी इतनी जबरदस्त है कि जब तक बाल नोचते नहीं, दुनिया हमें अलग नहीं कर सकती। शायद लास्ट शेफ्स के आखिरी शॉट्स में ही बाल नोचने वाले होंगे। सवालरू अगर के आपके पास कोई सुपरपावर हो, तो कौन सी चुनेंगी और उसके साथ क्या करेंगी? जवाबरू मैं नागिन बनकर लोगों को डसूंगी, फिर इंसान बनकर देखूंगी कि मजा आया कि नहीं।सवालरू लेकिन आप तो ऐसी नहीं हैं? जवाबरू नहीं यार, मैं तो बिल्कुल वैसी नहीं हूं। लोग सोचते हैं कि मैं स्ट्रॉन्ग हेडेड हूं, लेकिन असल में मैं बहुत इमोशनल इंसान हूं। अपने लोगों के लिए तो मैं बेहद इमोशनल हो जाती हूं। दुनिया से मुझे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता, लेकिन अपनों के लिए हां।

दिवंगत एक्टर धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म 'इक्कीस' 1 जनवरी 2026 को रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म देओल परिवार के लिए बेहद खास है। रिलीज से पहले 29 दिसंबर को अंधेरी के पीवीआर आईकॉन में 'इक्कीस' की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी जाएगी, जिसकी मेजबानी सनी देओल और बॉबी देओल करेंगे। एक्टर के दोनों बेटे सनी–बॉबी इसके जरिए पिता के ट्रिब्यूट देंगे। इस खास स्क्रीनिंग में फिल्म इंडस्ट्री के अलावा मीडिया के लोगों भी शामिल होंगे। हाल ही में न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए फिल्म के डायरेक्टर श्रीराम राघवन ने धर्मेंद्र को लेकर अपनी यादें शेयर की थी। उन्होंने कहा था– श्मैं उनसे अक्टूबर में मिला था। उस समय उनकी तबीयत ठीक थी, लेकिन कुछ ज्यादा अच्छी नहीं थी। उन्होंने फिल्म का पहला पार्ट देख लिया था और दूसरे भाग का इंतजार कर रहे थे। मैं चाहता था कि वे पूरी फिल्म देखें। लेकिन किसी कारणवश ऐसा नहीं हो सका। वे अपने किए गए काम का आनंद लेने के लिए अब हमारे बीच नहीं हैं, और लोग इस बात को समझते हैं। हमें इस बात का अफसोस है।श इक्कीस एक वॉर बायोपिक है, जो सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की सच्ची कहानी पर आधारित है। अरुण खेत्रपाल भारत के सबसे युवा परमवीर चक्र विजेता थे, जिन्होंने 1971 के भारतदृपाक युद्ध में असाधारण वीरता दिखाई थी। फिल्म में अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा अरुण खेत्रपाल की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि धर्मेंद्र उनके पिता बने हैं। फिल्म इक्कीस का निर्देशन श्रीराम राघवन ने किया है और इसे दिनेश विजन के मैडॉक फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। बता दें कि इस फिल्म के लिए धर्मेंद्र ने कविता लिखी है और उसे अपनी आवाज भी दी थी। इस कविता का नाम है ष्अज भी जी करदा ऐ।

मां की दूसरी शादी पर फरहाना भट्ट ने किया खुलासा, सोशल मीडिया पर वायरल हुआ बयान

बिग बॉस 19 खत्म हुए लगभग एक महीना हो चुका है, लेकिन शो की रनरअप फरहाना भट्ट अभी भी लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। शो से बाहर आने के बाद फरहाना लगातार इंटरव्यू दे रही हैं और अपनी निजी जिंदगी से जुड़े कई खुलासे कर रही हैं। अपने बेबाक और साफ–सुथरे अंदाज के लिए जानी जाने वाली फरहाना हर मुद्दे पर खुलकर अपनी राय रखती हैं, चाहे वह उनकी प्रोफेशनल लाइफ हो या पर्सनल। फरहाना भट्ट बिग बॉस 19 की रनरअप रही थीं। आज वह जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने काफी मेहनत और संघर्ष किया है। शो के दौरान भी उन्होंने अपनी जिंदगी से जुड़े कई भावुक किस्से साझा किए थे, जिन्हें दर्शकों ने काफी सराहा। बिग बॉस के घर में फरहाना ने बताया था कि जब वह बहुत छोटी थीं, तभी उनके पिता ने उनकी मां को तलाक दे दिया था। इसके बाद फरहाना का अपने पिता से कभी कोई संपर्क नहीं रहा और उनकी परवरिश पूरी तरह से मां ने ही की। हाल ही में फिल्मी विंडो को दिए एक इंटरव्यू में फरहाना ने अपनी मां के तलाक और दूसरी शादी को लेकर खुलकर बात की। फरहाना ने बताया कि जब वह बड़ी हुईं और समझदार हुईं, तब उन्होंने एक–दो बार अपनी मां से कहा था कि उन्हें दोबारा शादी कर लेनी चाहिए। हालांकि, उनकी मां ने इस बात से साफ इनकार कर दिया। फरहाना ने बताया कि उनकी मां ने उनसे कहा था कि वह अब एक सुकून भरी जिंदगी जीना चाहती हैं। मां ने उनसे कहा, "तुम मुझे फिर उसी अंधेरे में क्यों धकेलना चाहती हो, जिससे मैं बहुत मुश्किल से बाहर निकली हूं।" फरहाना के मुताबिक, तलाक के बाद उनकी मां का शादी और रिश्तों से भरोसा पूरी तरह उठ चुका है। वह किसी नए रिश्ते में बंधने से डरती हैं और अकेले, लेकिन सुकून के साथ जिंदगी जीना पसंद करती हैं। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि पिछले 10–12 सालों से उन्होंने अपनी मां से शादी को लेकर कोई बात नहीं की है। इसकी वजह बताते हुए फरहाना ने कहा कि उन्हें डर था कि कहीं उनकी मां को यह न लगे कि वह उनसे पीछा छुड़ाना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि मां के मन में गलतफहमियां या नकारात्मक ख्याल आ सकते हैं, इसलिए उन्होंने इस विषय को खुद ही छोड़ दिया। फरहाना का यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग उनकी सोच और मां के प्रति उनके सम्मान की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

करीना कपूर ने नई पॉजिटिविटी के साथ 2026 में रखा कदम, 2025 को बताया मुश्किल साल, कहा–हम बहुत रोए

नए साल 2026 की शुरुआत हो चुकी है। ऐसे में आम लोगों से लेकर सेलिब्रेटीज तक सोशल मीडिया पर पुराने साल के अपने एक्सपीरियंस के साथ नए साल में एक नई उर्जा और नए जुनून के साथ एंट्री करने की बात करते नजर आ रहे हैं। इसी बीच बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर ने भी अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया और बताया कि साल 2025 उनकी पूरी फैमिली के लिए बेहद मुश्किल रहा। इसके साथ ही उन्होंने 2026 में नई पॉजिटिविटी के साथ कदम रखने की बात की। करीना कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में पति सैफ अली खान के साथ एक तस्वीर शेयर करते लिए कैप्शन में लिखा–जैसे ही हम बैठकर इस बात पर सोचते हैं कि हम साल के आखिरी दिन तक पहुंच गए हैं। हम इतनी दूर तक आ गए हैं। 2025 हमारे, हमारे बच्चों और हमारे परिवारों के लिए एक मुश्किल साल रहा है, लेकिन हम सिर ऊंचा करके, हंसते हुए और हिम्मत बनाए रखकर इससे गुजरे। आगे उन्होंने लिखा, हम बहुत रोए, हमने प्रार्थना की और अब हम यहां हैं। 2025 ने हमें सिखाया कि इंसान का स्वभाव निडर होता है, प्यार सब पर जीत हासिल करता है और बच्चे हमारी सोच से ज्यादा बहादुर होते हैं। हम अपने फैंस, अपने दोस्तों और उन सभी को धन्यवाद करना चाहते हैं, जो हमारे साथ रहे और हमारा साथ देते रहे और उनसे ऊपर भगवान को। हम 2026 में अपने अंदर एक नई आग, बहुत ज्यादा आभार और पॉजिटिविटी और जो हम सबसे अच्छा करते हैं, उसके लिए कभी न खत्म होने वाले जुनून के साथ कदम रख रहे हैं... फिल्में...जैसा कि मैं हमेशा कहती हूं, चढ़दी कला। सभी को नया साल मुबारक हो। बता दें, साल 2025 में करीना कपूर के लिए जो सबसे डरावनी चीज थी, वो थी उनके पति सैफ अली खान पर उनके घर में जो हमला हुआ था। चोरों ने एक्टर ने तेजधार हथियार से हमला किया था, जिसके कारण वह 10 दिनों तक अस्पताल में एडमिट रहे थे और फिर धीरे–धीरे इस जख्म से रिकवर हुए थे।

एंटटेनमेंट जगत में कई सितारे हैं जिन्होंने सालों से बॉलीवुड पर अपनी पकड़ बनाए रखी है. लेकिन, हिंदी सिनेमा में एक ऐसा सितारा भी है जो सालों से बॉलीवुड पर राज कर रहा है और अब तक कोई भी अन्य सितारा उसके कद को छू भी नहीं पाया है. फिल्म जगत में और उनके फैंस के बीच, इस सुपरस्टार को श्भाईजानश कहा जाता है. जिस भी फिल्म में यह सुपरस्टार काम करते हैं, वह सुपरहिट हो जाती है और बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर ही जाती है. अब आप समझ ही गए होंगे कि हम किस सुपर्साट की बात कर रहे हैं. जी हां वो कोई और नहीं सलमान खान हैं. सलमान शनिवार 27 दिसंबर को अपना 60वां बर्थडे सेलिब्रेट करेंगे. ऐसे में चलिए यहां एक्टर से जुड़ी कुछ अनसुनी बातें जानते हैं.सलमान खान का जन्म कहां हुआ था?हम जिस एक्टर की बात कर रहे हैं वो कोई और नहीं बल्कि अब्दुल राशिद सलीम सलमान खान हैं, जिन्हें सलमान खान के नाम से जाना जाता है. सलमान खान का जन्म 27 दिसंबर 1965 को मध्य प्रदेश के इंदौर में हुआ था. वे फेमस स्क्रीन राइटर सलीम खान और उनकी पहली पत्नी सलमा के बड़े बेटे हैं. उन्होंने ग्वालियर के सिंधिया स्कूल और मुंबई के सेंट स्टैनिस्लास हाई स्कूल में पढ़ाई की है. बाद में उन्होंने मुंबई के सेंट जेवियर्स कॉलेज में दाखिला लिया, लेकिन अपनी पढ़ाई पूरी नहीं की. कभी बैकग्राउंड डांसर से शुरू किया था करियर, 75 रुपये थी पहली सैलरी, अब 37 सालों से बॉलीवुड पर राज कर रहा ये सुपरस्टार कितनी थी सलमान खान की पहली सैलरी? आपको यह जानकर हैरानी होगी कि एक समय ऐसा भी था जब सलमान खान सिर्फ 75 रुपये कमाते थे. दिग्गज स्क्रीन राइटर सलीम खान के बेटे होने के बावजूद, सलमान खान बैकग्राउंड डांसर के रूप में काम करते थे. खुद सलमान ने एक इंटरव्यू में इस बारे में बात की थी.एक थ्रो बैक इंटरव्यू में सलमान खाने ने खुलासा किया था, "मेरी पहली तनख्वाह, मुझे लगता है, लगभग 75 रुपये थी. मैं ताज होटल में एक शो में डांस कर रहा था।

वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान, गिल–अय्यर की वापसी; बुमराह–हार्दिक को आराम

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू हो रही तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए शनिवार को भारतीय टीम का एलान हो गया। शुभमन गिल बतौर कप्तान वापसी करेंगे जबकि श्रेयस अय्यर उनके डिप्टी होंगे। हालांकि, बीसीसीआई ने साफ किया है कि अय्यर को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से फिटनेस सर्टिफिकेट मिलने के बाद वह खेलते नजर आएंगे।

रोहित और विराट फिर आएंगे नजर

नए साल की शुरुआत भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के लिए खास होने वाली है। रोहित शर्मा और विराट कोहली एक बार फिर मैदान पर खेलते नजर आएंगे। दोनों ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। अब एक बार फिर दोनों धमाल मचाने के लिए तैयार हैं।

गायकवाड़ को मौका नहीं, बुमराह–हार्दिक को आराम

इस टीम में युवा बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ को शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रायपुर में खेले गए मुकाबले में शानदार शतकीय पारी खेली थी। इसके बाद भी चयनकर्ताओं ने उन्हें ड्रॉप कर दिया है। चयन समिति ने हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह को आराम दिया है। दोनों फरवरी में टी20 विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व करते नजर आएंगे।

सिराज की वापसी

इस टीम में मोहम्मद सिराज की वापसी हुई है। उन्होंने पिछला वनडे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। इसके बाद उन्हें दक्षिण अफ्रीका सीरीज के लिए आराम दिया गया। अब वह न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलते नजर आएंगे। तेज गेंदबाजी के लिए चयन समिति ने सिराज के अलावा अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा पर भरोसा जताया है। वहीं, स्पिन आक्रमण की अगुवाई कुलदीप यादव करेंगे। इसमें उनका साथ स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर देंगे। टीम में नीतीश कुमार रेड्डी को भी जगह दी गई है।

वनडे सीरीज का कार्यक्रम

भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज का आगाज 11 जनवरी से होगा। पहला मैच वडोदरा में खेला जाएगा। दूसरा मुकाबला 14 जनवरी को राजकोट में होगा जबकि तीसरे मुकाबले में 18 जनवरी को दोनों टीमें आमने–सामने होंगी। इसके बाद दोनों टीमें पांच टी20 मैचों की सीरीज खेलती नजर आएंगी।

घरेलू क्रिकेट में चमक रहे देवदत्त पडिक्कल, पिछली पांच पारियों में जड़े हैं चार शतक

नई दिल्ली। युवा भारतीय बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल विजय हजारे ट्रॉफी के मौजूदा सत्र में शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। कर्नाटक के इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने शनिवार को टूर्नामेंट में अपना चौथा शतक जड़कर वनडे टीम में चयन की अपनी दावेदारी को और मजबूत कर लिया। खास बात यह है कि पडिक्कल ने यह उपलब्धि महज पांच पारियों में हासिल की है।

पडिक्कल के 13वें लिस्ट ए शतक से कर्नाटक मजबूत

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में तीन जनवरी को खेले गए ग्रुप ए के मुकाबले में कर्नाटक का सामना त्रिपुरा से हुआ। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी कर्नाटक की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और महज तीन ओवरों के भीतर मयंक अग्रवाल और करुण नायर के विकेट गिर गए। स्कोर 6/2 होने के बाद टीम दबाव में थी, लेकिन एक बार फिर देवदत्त पडिक्कल ने पारी को संभाल लिया। पडिक्कल ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए पारी को स्थिरता दी।

बीसीसीआई के निर्देश पर केकेआर ने मुस्तफिजुर को किया रिलीज, आईपीएल 2026 में नहीं ले पाएंगे हिस्सा

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज कर दिया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने केकेआर को मुस्तफिजुर को रिलीज करने के निर्देश दिए थे जिसके बाद केकेआर ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि उन्होंने इस बांग्लादेशी खिलाड़ी को रिलीज किया है। इससे यह साफ हो गया है कि मिनी नीलामी में बिकने के बावजूद मुस्तफिजुर आईपीएल 2026 का हिस्सा नहीं होंगे।

क्यों लेना पड़ा फैसला?

बीसीसीआई ने को यह फैसला मुस्तफिजुर को लेकर चल रहे विवाद के बाद लेना पड़ा। दरअसल, विवाद की जड़ में बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रही हिंसा की घटनाएं हैं। इन्हीं घटनाओं का हवाला देते हुए भाजपा और शिवसेना के कई नेताओं ने आईपीएल में बांग्लादेशी खिलाड़ी को खेलने देने पर सवाल खड़े किए थे। विवाद को बढ़ता देख बीसीसीआई ने इस मामले में हस्तक्षेप किया और केकेआर को मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज करने का निर्देश दिया। अब केकेआर ने इस निर्देश का पालन करते हुए मुस्तफिजुर को टीम से रिलीज कर दिया है।

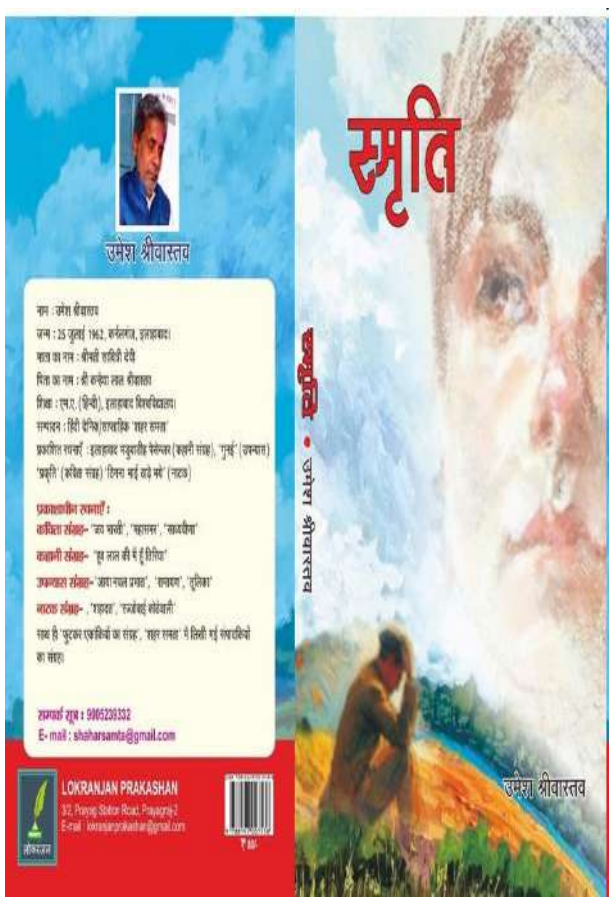

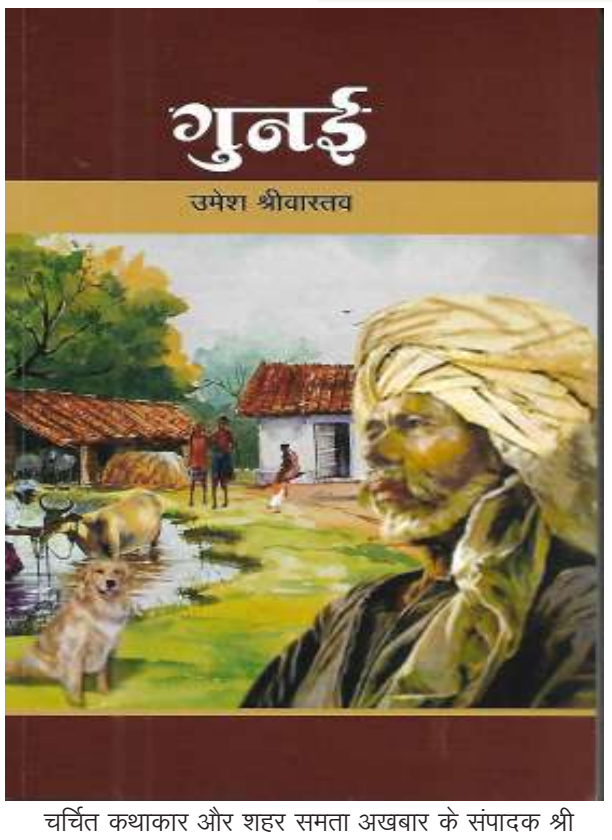

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

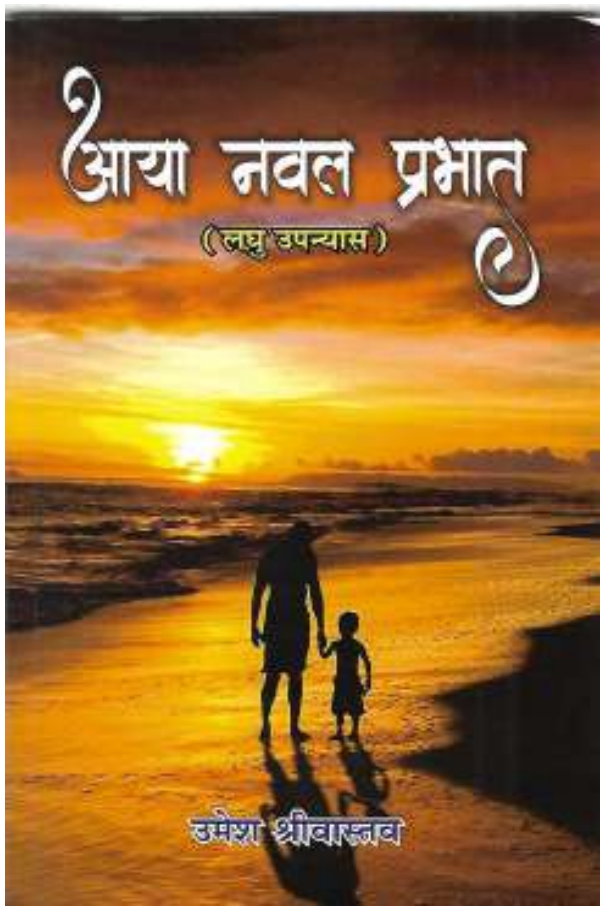

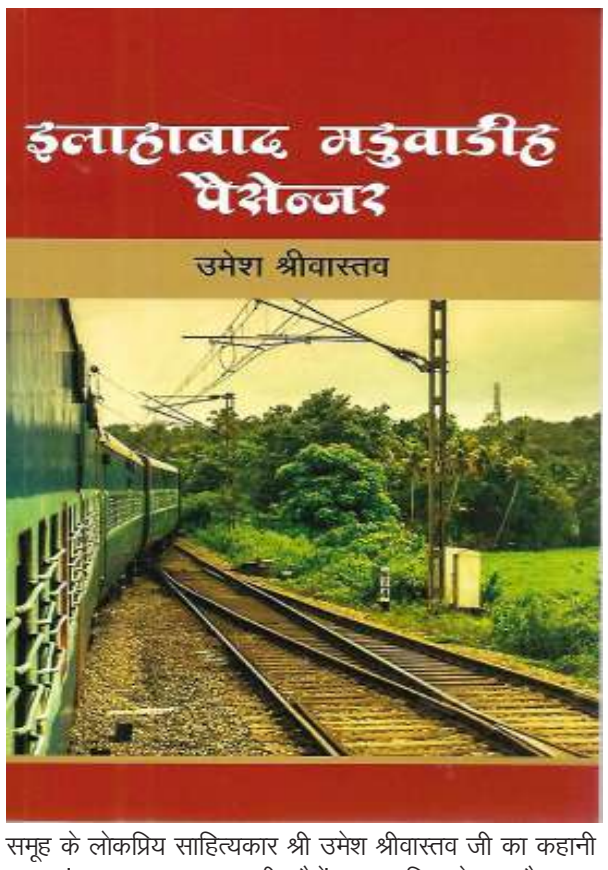

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

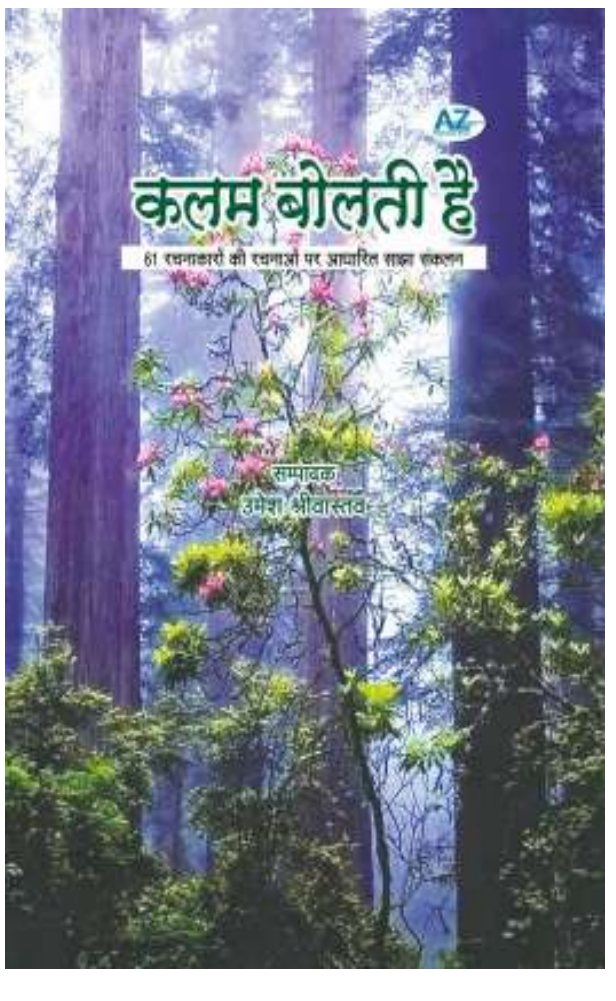

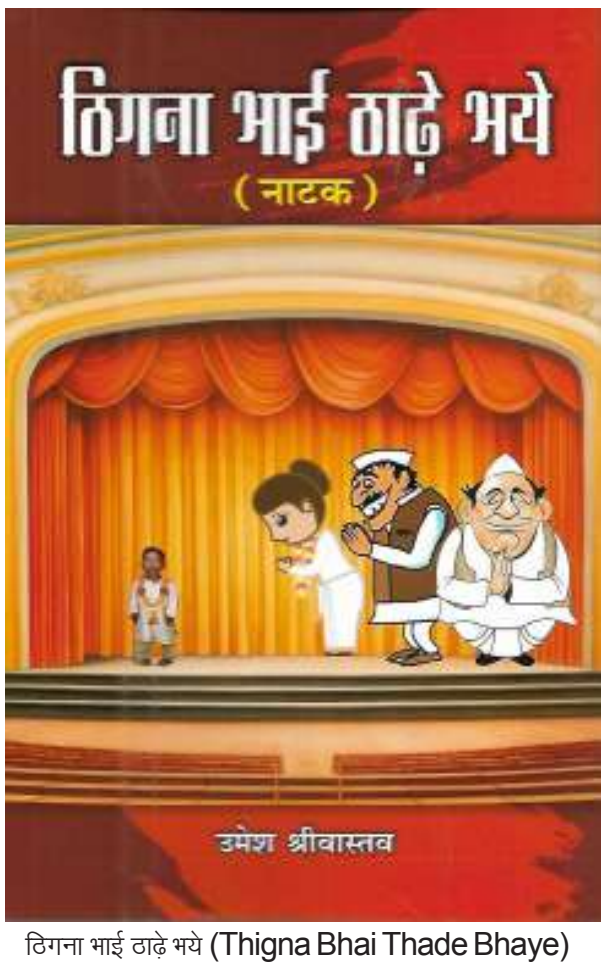

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

धामी ने मुख्यमंत्री आवास परिसर के उद्यान में 17 प्रजातियों के ट्यूलिप उगाने की मुहिम की शुरूआत की

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास परिसर के उद्यान में 17 प्रजातियों के ट्यूलिप उगाने की मुहिम की शुरूआत की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने पत्नी गीता धामी सहित अपने परिवार के सदस्यों के साथ उद्यान में ट्यूलिप के 'बल्ब' रोपे। मुख्यमंत्री आवास परिसर के उद्यान में इस बार ट्यूलिप के चार हजार 'बल्ब' रोपे जा रहे हैं जिनमें लेकपर्पल तथा बाईकलर प्रजाति के खास रंगत वाले ट्यूलिप भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर उद्यान विभाग को ट्यूलिप के व्यवसायिक उत्पादन की कार्ययोजना बनाने के निर्देश देते हुए पुष्प उत्पादन एवं बागवानी के क्षेत्र में नवाचार पर जोर दिया। धामी ने ट्यूलिप उत्पादन के बारे में उद्यान प्रभारी दीपक पुरोहित से विस्तार से जानकारी लेने के साथ ही परिसर में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन सहित बागवानी से जुड़े विभिन्न कार्यों के बारे में भी बातचीत की।

LIC ने बंद हो चुकी पॉलिसियों को फिर से चालू करने के लिए विशेष अभियान शुरू किया

देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने शुक्रवार को बंद हो चुकी व्यक्तिगत पॉलिसियों को फिर से चालू करने के लिए दो महीने का विशेष अभियान शुरू करने की घोषणा की। यह विशेष अभियान एक जनवरी से दो मार्च, 2026 तक चलाया जाएगा और इसमें सभी नॉन–लिंक्ड पॉलिसियां शामिल होंगी। इसके तहत विलंब शुल्क में आकर्षक रियायत दी जा रही है। एलआईसी ने एक बयान में कहा कि फिर से चालू करने योग्य सभी नॉन–लिंक्ड बीमा योजनाओं पर विलंब शुल्क में 30 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी। यह छूट अधिकतम 5,000 रुपये तक होगी। कंपनी ने कहा कि सूक्ष्म बीमा पॉलिसियों के लिए विलंब शुल्क पर 100 प्रतिशत की छूट दी जा रही है, ताकि जोखिम कवर को फिर से बहाल किया जा सके। बयान में कहा गया कि जो पॉलिसी प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान बंद हो गई हैं, और जिनकी अवधि पूरी नहीं हुई है, उन्हें इस अभियान के तहत फिर से चालू किया जा सकता है। इसमें चिकित्सा अथवा स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं पर कोई रियायत नहीं दी जाएगी। एलआईसी ने कहा कि यह अभियान उन पॉलिसीधारकों को लाभ देने के लिए शुरू किया गया है, जो किसी प्रतिकूल परिस्थिति के कारण समय पर प्रीमियम का भुगतान नहीं कर पाए थे। कंपनी ने कहा कि पूर्ण बीमा लाभ प्राप्त करने के लिए पॉलिसियों को प्रभावी बनाए रखना आवश्यक है।

सेबी ने आठ कंपनियों को दी IPOs के माध्यम से पूंजी जुटाने की मंजूरी

बाजार नियामक सेबी ने आरकेसीपीएल लिमिटेड, चार्टर्ड स्पीड, ग्लास वॉल सिस्टम्स (इंडिया) लिमिटेड और जेराई फिटनेस सहित कुल आठ कंपनियों को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से पूंजी जुटाने की मंजूरी दे दी है। नियामक मंजूरी प्राप्त करने वाली अन्य कंपनियों में श्रीराम फूड इंडस्ट्री, वडोदरा स्थित टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) लिमिटेड, इंदिरा आईवीएफ और रे ऑफ बिलीफ लिमिटेड शामिल हैं। जुलाई से अक्टूबर के बीच आईपीओ के लिए शुरूआती दस्तावेज जमा करने वाली आठ कंपनियों को 26 दिसंबर से दो जनवरी के बीच नियामक की टिप्पणियां मिलीं। एसईबीआई की में नियामक की टिप्पणियां मिलना आईपीओ के लिए मंजूरी मिलने के समान है।

तंबाकू पर बढ़ा सरकारी टैक्स, ITC-Godfrey के निवेशकों के मिनटों में डूबे करोड़ों रुपये

शेयर बाजार में बुधवार को आईटीसी लिमिटेड के शेयरों में तेज गिरावट देखी गई, जो पिछले लगभग छह वर्षों में सबसे बड़ी रही। इसका कारण सरकार द्वारा तंबाकू उत्पादों पर लगाए गए उच्च कर को बताया जा रहा है। मौजूद जानकारी के अनुसार, फरवरी 1 से सिगरेट पर प्रति 1,000 स्टिक 2,050 रुपये से 8,500 रुपये तक का उत्पाद शुल्क लागू होगा। बता दें कि इस बढ़े हुए शुल्क के साथ ही राष्ट्रीय आपदा कर भी जारी रहेगा, जिससे विश्लेषकों का अनुमान है कि कुल टैक्स में 30: से अधिक की बढ़ोतरी हो सकती है। आईटीसी के शेयर में 10: तक गिरावट आई, जबकि गोदफ्रे फिलिप्स इंडिया लिमिटेड के शेयर मुंबई में 17: नीचे बंद हुए। दोनों कंपनियों के ट्रेडिंग वॉल्यूम सामान्य के मुकाबले 20 गुना अधिक रहे। आईटीसी क्लासिक और गोल्ड फ्लेक जैसी सिगरेट ब्रांड बेचती है, जबकि गोदफ्रे मार्लबोरो और फोर स्क्वायर जैसे ब्रांड का संचालन करती है। गौरतलब है कि आईटीसी की कुल आय का 40: हिस्सा सिगरेट से आता है, इसलिए इस कर वृद्धि से कंपनी की बिक्री पर असर पड़ने की संभावना है। जेफरीज़ फाइनेंशियल ग्रुप के विश्लेषकों का कहना है कि अगर कीमतों में वृद्धि ग्राहकों पर डाली जाती है, तो कम से कम 15% तक बढ़ोतरी करनी पड़ सकती है। मौजूदा कर वृद्धि, वस्तु एवं सेवा कर 40: के साथ लागू होगी और इसका मकसद सितंबर में किए गए व्यापक टैक्स कटौती से हुए राजस्व नुकसान की भरपाई करना है। वित्त मंत्रालय के अनुसार, यह कदम तंबाकू उत्पादों की कीमत को उच्च बनाए रखने और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने की दिशा में एक प्रभावी उपाय है। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि इससे तंबाकू उत्पादों की तस्करी या ग्रे मार्केट के बढ़ने का जोखिम नहीं है। भारत में 2.53 करोड़ से अधिक लोग तंबाकू का सेवन करते हैं, जो वैश्विक स्तर पर दूसरी सबसे बड़ी संख्या है। सरकार ने हाल ही में स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा कर भी लागू किया है, और मार्च में प्स् में इन उत्पादों के विज्ञापन पर प्रतिबंध लगाने की योजना बनाई। आईटीसी और गोदफ्रे फिलिप्स की ओर से अभी इस मामले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। विशेषज्ञों का कहना है कि कर वृद्धि से सिगरेट की कीमत में बढ़ोतरी होगी और इसका असर बाजार और उपभोक्ता दोनों पर दिखाई देगा।

समाचार

'Transport Canada' ने शराब सेवन नियमों के उल्लंघन को लेकर Air India को चेतावनी दी

एअर इंडिया के एक पायलट को वैंकूवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान भरने की तैयार करते समय गिरफ्तार किए जाने के एक सप्ताह बाद कनाडा की परिवहन एजेंसी ने विमानन कंपनी को चेतावनी दी है कि यदि वह शराब सेवन से संबंधित नियमों का पालन सुनिश्चित नहीं करती है तो उसे दी गई उड़ान संबंधी अनुमति रद्द की जा सकती है। परिवहन एजेंसी 'ट्रांसपोर्ट कनाडा' ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि यह घटना 23 दिसंबर को हुई थी और वह एअर इंडिया एवं भारतीय विमानन अधिकारियों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करेगी कि इसके संबंध में ''उचित

कार्रवाई'' की जाए। 'रॉयल कनाडियन माउंटेड पुलिस' (आरसीएमपी) ने बताया कि यह गिरफ्तारी विमानन कंपनी के चालक दल के एक सदस्य से जुड़ी ''चिंताजनक सूचना'' मिलने के बाद की गई। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच जारी है और फिलहाल कोई अतिरिक्त जानकारी जारी नहीं की जाएगी। हवाई अड्डे की एक प्रवक्ता ने बताया कि पायलट एअर इंडिया की वैंकूवर से दिल्ली के लिए निर्धारित दैनिक उड़ान की तैयारी कर रहा था। उसने बताया कि उड़ान में कई घंटे की देरी हुई लेकिन बाद में यह सुरक्षित रवाना हो गई। विमान परिचालन पर नजर रखने वाली वेबसाइट 'फ्लाइटरडार24' के अनुसार, 23 दिसंबर को वैंकूवर से वियना के रास्ते दिल्ली जाने वाली एअर इंडिया की उड़ान का प्रस्थान समय अपराह्न तीन बजे तय था लेकिन यह वाईवीआर (वैंकूवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा) से रात 10 बजकर दो मिनट पर रवाना हुई। एअर इंडिया ने इस संबंध में टिप्पणी के लिए किए गए अनुरोधों का तत्काल जवाब नहीं दिया। 'ट्रांसपोर्ट कनाडा' ने अपने बयान में कहा कि एअर इंडिया की नियामकीय निगरानी की प्राथमिक जिम्मेदारी भारत के नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) की है। बयान में कहा गया है कि कनाडा के विमानन नियमों के अनुसार पायलट या चालक दल के किसी भी अन्य सदस्य को शराब पीने के 12 घंटे के भीतर या शराब के प्रभाव में रहते हुए उड़ान संबंधी कोई भी कार्य करने की अनुमति नहीं है। इसमें कहा गया है कि विमानन कंपनी चालक दल ऐसे सदस्यों को काम पर नहीं लगा सकतीं जो ड्यूटी के लिए अयोग्य हों। बयान में कहा गया, ''इन नियमों का अनुपालन नहीं होने पर वैमानिकी अधिनियम के तहत कनाडाई विमानन दस्तावेज को निलंबित या रद्द किया जा सकता है।'' बयान में कहा गया कि विमानन कंपनी को न्यायिक और अन्य दंडात्मक कार्रवाई का भी सामना करना पड़ सकता है।

अमेरिका में एरिजोना की पहाड़ियों में हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से चार लोगों की मौत

अमेरिका में एरिजोना के पहाड़ी इलाके में एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पिनाल काउंटी शेरिफ कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि यह दुर्घटना फीनिक्स से लगभग 103 किलोमीटर पूर्व में स्थित टेलीग्राफ कैन्यन के पास शुक्रवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे हुई। शेरिफ कार्यालय के अनुसार, हेलीकॉप्टर में सवार सभी चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 59 वर्षीय पायलट, 21 वर्षीय दो महिलाएं और 22 वर्षीय एक अन्य महिला शामिल हैं। 'फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन' (एफएए) और 'नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड' (एनटीएसबी) दुर्घटना की जांच कर रहे हैं।

अमेरिका ने इस देश के 4 शहरों पर की खतरनाक बमबारी? राष्ट्रपति ने घोषित की नेशनल इमरजेंसी

वेनेजुएला की सरकार ने एक आधिकारिक बयान में अमेरिका पर अपने नागरिक और सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले शुरू करने का आरोप लगाया है। शनिवार तड़के कराकस की सड़कों पर विमानों की गड़गड़ाहट सुनाई दी और धमाकों से शहर थर्राकास हिल गया। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, एक प्रमुख सैन्य अड्डे के पास बिजली गुल हो जाने से वेनेजुएला की राजधानी के ऊपर धुएं का घना गुबार उठ खड़ा हुआ। वेनेजुएला सरकार ने दावा किया कि ये हमले अमेरिकी सेना द्वारा किए गए थे। यहां तक घ्धकि कुछ अमेरिकी अधिकारियों ने भी रॉयटर्स को पुष्टि की है कि वे दक्षिण अमेरिकी देश के अंदर हमले कर रहे हैं। कम से कम सात धमाकों की आवाज सुनी गई और निचले इलाकों में विमान उड़ते हुए देखे गए, जिसके बाद विभिन्न इलाकों के निवासी सड़कों पर दौड़ पड़े। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में शहर में हुए धमाकों के क्षण कैद हो गए हैं। स्पेन की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी ईएफई के अनुसार, वेनेजुएला के मुख्य सैन्य किले, फोर्ट टियूना, जो काराकास शहर के पश्चिम में स्थित है, और ला कार्लोटा सैन्य अड्डे पर विमानों के ऊपर से गुजरने के दौरान विस्फोटों की सूचना मिली है। राजधानी में विस्फोटों से मचे बवाल के तुरंत बाद, राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने ट्रंप प्रशासन द्वारा की गई सैन्य आक्रामकता को खारिज करते हुए देश में राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा कर दी। वेनेजुएला गणराज्य, बोलिवेरियन गणराज्य, संयुक्त राज्य अमेरिका की वर्तमान सरकार द्वारा किए गए अत्यंत गंभीर सैन्य आक्रमण को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष अस्वीकार करता है, उसकी निंदा करता है और उसे अस्वीकार करता है। वेनेजुएला सरकार ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि यह कृत्य संयुक्त राष्ट्र चार्टर का घोर उल्लंघन है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

इ्रग्स बहाना, असली मकसद तेल का खजाना, नहीं झुका वेनेजुएला तो अमेरिका ने किया खेला

2025 वैश्विक मंच पर ट्रंप की एकतरफा नीतियों का चरम था। दुनिया ट्रंप को कुछ ज्यादा ही गंभीरता से ले रही थी, लेकिन वह स्टेट्समैन कम और रीयल एस्टेट सेल्समैन ज्यादा हैं। उन्होंने धमकी तो बेहद ऊंचे टैरिफ की दी, मगर सौदेबाजी करते हुए इसे कम करते गए। जैसे–जैसे राष्ट्रपति अपनी शक्ति पर लगाए जा रहे प्रतिबंधों से निराश होते जाएंगे, वे ऐसे क्षेत्रों में हिंसक कार्रवाई कर सकते हैं जिससे उनकी अपेक्षा से कहीं अधिक अस्थिरता उत्पन्न हो सकती हैकृउदाहरण के लिए, निकोलस मादुरो के वेनेजुएला के खिलाफ। ट्रंप रूस, यूक्रेन, भारत, बांग्लादेश, यूरोप, खाड़ी देशों सभी को ब्लैकमेल कर रहे हैं। किसी को टेरिफ की धमकी दे रहे हैं तो किसी को हथियारों की। वेनेजुएला पर अमेरिका ने हथियारों का इस्तेमाल किया है। अमेरिका वेनेजुएला के तेल भंडारों को लूटने के लिए वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सत्ता से हटाना चाहता है। अमेरिका ने वेनेजुएला के ऑयल एक्सपोर्ट्स पर भी सेंशंस लगा दिए। अब अमेरिका की तरफ से वेनेजुएला पर हमले की खबर सामने आ गई है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि यह हमला क्ध्यों किया गया है और अमेरिका–वेनेजुएला के बीच तनाव क्ध्यों है?

ट्रंप वेनेजुएला पर इतना ध्यान क्यों दे रहे हैं?

ट्रंप, वेनेजुएला के लाखों प्रवासियों के अमेरिका पहुंचने के लिए मादुरो को दोषी ठहराते हैं। अनुमान है कि 2013 से अब तक लगभग आठ मिलियन वेनेजुएलावासी देश के आर्थिक संकट और दमन से भागकर अमेरिका आ चुके हैं। बिना कोई सबूत दिए, ट्रंप ने मादुरो पर आरोप लगाया है कि उन्होंने ष्अपनी जेलों और पागलखानों को खाली कर दिया हैष् और कैदियों को अमेरिका में प्रवास करने के लिए ष्मजबूरष् किया है। ट्रंप ने अमेरिका में ड्रग्स विशेष रूप से फेंटानिल और कोकीन की तस्करी को रोकने पर भी ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने वेनेजुएला के दो आपराधिक समूहों – ट्रेन डे अरागुआ और कार्टेल डे लॉस सोल्स को विदेशी आतंकवादी संगठन (एफटीओ) घोषित किया है और आरोप लगाया है कि कार्टेल डे लॉस सोल्स का नेतृत्व स्वयं मादुरो कर रहे हैं। विश्लेषकों ने बताया है कि कार्टेल डे लॉस सोल्स कोई पदानुक्रमित समूह नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा शब्द है जिसका इस्तेमाल उन भ्रष्ट अधिकारियों के लिए किया जाता है जिन्होंने वेनेजुएला के रास्ते कोकीन की आवाजाही की अनुमति दी है। मादुरो ने कार्टेल नेता होने से साफ इनकार किया है और अमेरिका पर आरोप लगाया है कि वह अपने ष्नशीली दवाओं के खिलाफ युद्धष् का बहाना बनाकर उन्हें सत्ता से हटाने और वेनेजुएला के विशाल तेल भंडार पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है।

अमेरिका ने किन–किन ठिकानों पर की एयर स्ट्राइक?

फोर्ट ट्यूना – काराकस का मेन मिलिट्री बेस

ला कार्लोटा – काराकस का मेन एयरबेस

एल वोल्कान – मेन रडार स्टेशन

ला गुएरा पोर्ट – वेनेजुएला का प्रमुख बंदरगाह

इगुएरोटे एयरपोर्ट – मिरांडा राज्य का हवाई अड्डा

वेनेजुएला कितना तेल निर्यात करता है और इसे कौन खरीदता है?

तेल मादुरो सरकार की विदेशी आय का मुख्य स्रोत है, और इस क्षेत्र से होने वाला मुनाफा सरकार के बजट के आधे से अधिक हिस्से को वित्तपोषित करता है। वर्तमान में यह लगभग 900,000 बैरल प्रतिदिन निर्यात करता है। चीन इसका सबसे बड़ा खरीदार है। हालांकि, अमेरिका के एक आकलन के अनुसार वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा सिद्ध कच्चा तेल भंडार है, लेकिन उनका कहना है कि वह इसका अपेक्षाकृत कम उपयोग करता है। अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन (ईआईए) के अनुसार, तकनीकी और बजटीय चुनौतियों के कारण वेनेजुएला ने 2023 में वैश्विक कच्चे तेल का केवल 0.8% उत्पादन किया। वेनेजुएला के तट से एक टैंकर को जब्त करने की घोषणा के बाद, ट्रंप ने पत्रकारों से कहाः मुझे लगता है कि हम तेल अपने पास रखेंगे।

होगी रूस की भी एंट्री?

रूस वेनेजुएला के लिए अमेरिका के खिलाफ खुलकर पहले भी बयान दे चुका है। इसी बीच भारत और वेनेजुएला को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो रही हैं। दरअसल कुछ दिन पहले ही वेनेजुएला अचानक भारत की शरण में पहुंचा था। वेनेजुएला की एक टीम भारत पहुंची और भारत को वो चीज देने का ऐलान कर दिया जो अमेरिका वेनेजुएला से लूटना चाहता है। वेनेजुएला ने भारत से कहा कि आप हमारे तेल के साथ–साथ हमारे देश में मौजूद क्रिटिकल मिनरल्स को भी निकालिए।

सेमीकन्टर चिप्स की जंग और तेज हुई, अमेरिका ने बेपदं के तकनीकी सपनों पर कर दिया सीधा वार

चीन और अमेरिका के संबंधों में फिर से तनाव नजर आ रहा है क्योंकि अमेरिका ने एक बार फिर यह साफ कर दिया है कि तकनीक के मोर्चे पर वह किसी भी तरह का समझौता करने के मूड में नहीं है। हम आपको बता दें कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने राष्ट्रीय सुरक्षा और चीन से जुड़ी चिंताओं का हवाला देते हुए एक अहम चिप्स डील को रोक दिया है। यह फैसला अमेरिका की एक फोटोनिक्स कंपनी द्वारा एक घरेलू रक्षा और एयरोस्पेस तकनीक से जुड़ी इकाई के अधिग्रहण को लेकर लिया गया है। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि इस सौदे के पीछे परोक्ष रूप से चीनी नियंत्रण का खतरा है, जो देश की सुरक्षा के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है। सरकारी आदेश के अनुसार संबंधित कंपनी को छह महीनों के भीतर इस अधिग्रहण से पूरी तरह अलग होना होगा। अमेरिका की विदेशी निवेश निगरानी समिति ने जांच के दौरान यह निष्कर्ष निकाला कि इस सौदे के जरिये संवेदनशील चिप्स निर्माण तकनीक गलत हाथों में जा सकती है। प्रशासन ने भले ही तकनीकी जोखिमों का ब्योरा सार्वजनिक न किया हो, लेकिन संकेत साफ हैं कि मामला साधारण कारोबारी सौदे से कहीं आगे का है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी वर्चस्व को लेकर तनाव अपने चरम पर है। देखा जाये तो सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रक्षा तकनीक आज सिर्फ व्यापार का विषय नहीं रह गए हैं, बल्कि सीधे तौर पर सामरिक ताकत और भविष्य के युद्ध की तैयारी से जुड़ चुके हैं।

बांग्लादेश में फिर जली इंसानियत, हिंदू व्यापारी खोकोन चंद्र दास की तड़प कर मौत

अल्पसंख्यकों पर हमलों का सिलसिला जारी

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दू समुदाय के खिलाफ जारी हिंसा के शिकार लोगों की संख्या में वृद्धि हो गयी है। हम आपको बता दें कि शरीयतपुर जिले में रहने वाले पचास वर्षीय हिन्दू व्यवसायी खोकोन चंद्र दास की तीन दिन तक मौत से जंग के बाद अस्पताल में मृत्यु हो गई। उल्लेखनीय है कि 31 दिसंबर की रात उन पर उग्र भीड़ ने हमला किया, बेरहमी से पीटा और फिर पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया था। जान बचाने के लिए दास ने तालाब में छलांग लगाई, लेकिन शरीर का बड़ा हिस्सा जल जाने और गंभीर चोटों के कारण उन्हें बचाया नहीं जा सका। परिवार के अनुसार खोकोन दास का किसी से कोई विवाद नहीं था। वह एक साधारण व्यापारी थे और शांत जीवन जी रहे थे। इसके बावजूद उन्हें जिस निर्दयता से मारा गया, उसने पूरे क्षेत्र में दहशत फैला दी है। देखा जाये तो यह घटना कोई अकेली वारदात नहीं है। बीते

कुछ हफ्तों में बांग्लादेश के अलग–अलग इलाकों से हिन्दू समुदाय के खिलाफ हिंसा, मारपीट, घर जलाने और हत्या की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। स्थानीय प्रशासन ने जांच और गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि अल्पसंख्यक समुदाय में भय गहराता जा रहा है। कई परिवार अपने घर छोड़ने को मजबूर हैं। धार्मिक पहचान अब खतरे का कारण बनती जा रही है। खोकोन दास की मौत ने बांग्लादेश में कानून व्यवस्था और सामाजिक संतुलन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। देखा जाये तो यह सिर्फ एक व्यक्ति की हत्या नहीं है। यह एक चेतावनी है। बांग्लादेश में हिन्दू समुदाय पर हो रहे हमले अब संयोग नहीं रह गए हैं। यह एक पैटर्न है, एक भयावह सिलसिला है जिसे नजरअंदाज करना आत्मघाती भूल होगी। जिस देश ने कभी धार्मिक सहअस्तित्व और सांस्कृतिक विविधता पर गर्व किया था, वहां आज अल्पसंख्यक खुलेआम निशाना बनाए जा रहे हैं। खोकोन दास को जिंदा जलाया जाना सिर्फ क्रूरता नहीं, यह सामाजिक पतन का चरम है। भीड़ का उन्माद जब इंसान को इंसान नहीं रहने देता, तब सभ्यता की सारी परतें उतर जाती हैं। यह सवाल पूछना जरूरी है कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है। क्या यह सिर्फ कानून व्यवस्था की नाकामी है या इसके पीछे एक गहरी सामाजिक बीमारी पनप चुकी है। जब एक समुदाय को बार बार कमजोर समझ कर निशाना बनाया जाए, जब अपराधियों को यह भरोसा हो कि उन्हें सजा नहीं मिलेगी, तब हिंसा एक सामान्य प्रक्रिया बन जाती है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो

शरद कुमार श्रीवास्तव

7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक

स्व.कन्हैया लाल

स्व.श्रीमती साधना

सम्पादक

उमेश चंद्र श्रीवास्तव

प्रबन्ध सम्पादक

अरविन्द पाण्डेय

संयुक्त सम्पादक

अनंत श्रीवास्तव

संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)

केशव श्रीवास्तव

विधि सलाहकार

कल्पना श्रीवास्तव

जिसके पास हैं दुनिया के सबसे बड़े ऑयल रिजर्व्स, वहां की 90% आबादी भूख से क्यों बिलख रही?

एक ऐसा देश है जिसके पास दुनिया के सबसे बड़े अल रिजर्व्स हैं रूस के मुकाबले वेनेजुएला के रिजर्व्स चार गुणा ज्यादा हैं और इतना सारा तेल आज अगर किसी भी देश में है तो ये इमैजिन की जा सकती है कि वहां बड़ी–बड़ी बिल्डिंग होगी। लोग बहुत आराम से रह रहे होंगे और ग्लोबल पॉलिटिक्स में उनका बहुत बड़ा रोल होगा। लेकिन वेनेजुएला में ऐसा कुछ नहीं है। वहां अराजकता फैली हुई है। लोग खाने के लिए भूखे मर रहे हैं और इकोनॉमी वेंटिलेटर पर पड़ी है। ऐसे में आइए जानते हैं कि आखिर क्या हुआ, क्यों इतना तेल होने के बावजूद वेनेजुएला इतना गरीब है।

वेनेजुएला में जुर्म और अपराध का इजाफा

पिछले तीन सालों में वेनेजुएला में जुर्म और अपराध इतना ज्यादा बढ़ा है कि वेनेजुएला की कैपिटल क्राकस दुनिया की मोस्ट डेंजरस सबसे ज्यादा खतरनाक सिटीज की लिस्ट में नंबर वन पर है। आप देख सकते हैं मेक्सिको की भी काफी जो बदनाम सिटीज हैं उनको भी पीछे छोड़ते हुए क्राकस

दुनिया की सबसे डेंजरस सिटी बन गया है। पूरे वेनेजुएला में लोग अबडक्शन के, ब्लैकमेलिंग के और ह्यूमन राइट्स वायलेशन के केसेस देख रहे हैं। उस सब के अलावा हाई इनफ्लेशन की वजह से लोग बेसिक सामान जैसे खाना, कपड़े, पानी वो तक नहीं खरीद पा रहे।

तेल संसाधन

वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार तेल है, हालांकि इसका उत्पादन मॉडल बहुत विविध नहीं है। वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे विशाल तेल भंडार है। वर्ल्डोमीटर के आंकड़ों के मुताबिक दुनिया का सबसे ज्यादा तेल भंडार वेनेजुएला के पास है, जिसके पास 303,008 मिलियन बैरल ऑयल रिजर्व है। तेल से होने वाली कमाई ही उसकी अर्थव्यवस्था के लिए रीढ़ की हड्डी है। प्रतिबंधों के बावजूद, पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) के अनुसार, 2025 में कच्चे तेल का निर्यात बढ़कर औसतन 9 लाख बैरल प्रति दिन से अधिक हो गया, जो पिछले तीन वर्षों के उत्पादन स्तर से भी अधिक है। हालांकि, यह आंकड़ा वेनेजुएला द्वारा 2013 में उत्पादित तेल की मात्रा के आधे से भी कम है, और 1999 में चावेज़ के सत्ता में आने से पहले उत्पादित 3.5 लाख बैरल प्रति दिन के एक तिहाई से भी कम है। इस उद्योग से जुड़ा एक प्रमुख पहलू प्राकृतिक गैस का निर्यात है (और इसमें निवेश और अन्वेषण भी कम है)। अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन (ईआईए) का अनुमान है कि वेनेजुएला के पास 5.5 ट्रिलियन घन मीटर प्राकृतिक गैस का भंडार है, जो दक्षिण अमेरिका के कुल भंडार का 73: है। पिछले दशक में तेल राजस्व में गिरावट के कारण, सरकार ने खनन को बढ़ावा देने का प्रयास किया और ओरिनोको खनन क्षेत्र को रणनीतिक विकास क्षेत्र के रूप में स्थापित किया ताकि इस क्षेत्र में सोने, कोल्टन, लोहे और बॉक्साइट के विशाल भंडारों का दोहन किया जा सके। हालांकि, यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां औद्योगिक गतिविधियों की तुलना में हस्तशिल्प गतिविधियां अधिक होती हैं और आपराधिक गिरोहों और तस्करों की बड़ी उपस्थिति है।

प्रमुख राजनीतिक सहयोगी

21वीं सदी की शुरुआत से ही, वेनेजुएला ने उन देशों के साथ गठबंधन और घनिष्ठ संबंध स्थापित किए हैं जो संयुक्त राज्य अमेरिका के क्षेत्रीय और वैश्विक नेतृत्व का विरोध करते हैं। लैटिन अमेरिका में इसके सबसे करीबी सहयोगी क्यूबा और निकारागुआ हैं, जो इस क्षेत्र के तीन सबसे सत्तावादी और राजनीतिक रूप से अलग–थलग देशों का समूह बनाते हैं। एक समय कराकस के ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा और कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो जैसी अन्य वामपंथी सरकारों के साथ मजबूत संबंध थे, लेकिन 2024 के राष्ट्रपति चुनावों के बाद इन देशों ने खुद को उनसे दूर कर लिया। हालांकि, वेनेजुएला के तट पर अमेरिकी सैन्य तैनाती के मद्देनजर ब्रासीलिया और बोगोटा से मिले समर्थन से कुछ हद तक संबंध फिर से सुधरे हैं। कैरेबियाई तेल उछाल के दौरान बने कुछ अन्य छोटे सहयोगी भी कराकस के कैरेबियन में हैं, हालांकि नवंबर में होंडुरास और सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइन्स द्वीपसमूह में सत्तारूढ़ दल की हार के साथ मादुरो सरकार को दो झटके लगे।

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक

उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.

यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।